हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

भारत-पाक सीमा पर ऊर्जा परियोजना को मंजूरी, विपक्ष बोला- राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता कर रही सरकार

नई दिल्ली(एजेंसी), कांग्रेस और द्रमुक के सांसदों ने भारत-पाक सीमा के पास नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना को मंजूरी का विरोध किया और संसद से वॉकआउट किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस परियोजना से राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर पड़ सकता है, क्योंकि यह सीमा से सिर्फ एक किलोमीटर दूर है।

dailyhindihyd@gmail.com | E-paper-hindidailyweb.in | http://hindidaily.net

VOLUM NO : 15 | ISSUE NO : 114 | THURSDAY 13 MARCH 2025 | गुरुवार , १३ मार्च २०२५ | HYDERABAD | 8 PAGES | RS.1.00

संभल की जामा मस्जिद में होगी रंगाई-पुताई

• हाईकोर्ट ने कहा- सिर्फ बाहरी दीवारों पर रंग-रोगन करें, ढांचे को नुकसान न हो

प्रयागराज (एजेंसी)। संभल की जामा मस्जिद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रंगाई-पुताई की मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने कहा- मस्जिद कमेटी मस्जिद की बाहरी दीवारों में ही रंगाई-पुताई करवा सकती है। रमजान के दौरान मस्जिद में लाइटिंग भी करवा सकती है, लेकिन इस दौरान ढांचे को किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच ने बुधवार को यह आदेश सुनाया। 25 फरवरी को जामा मस्जिद कमेटी के वकील जाहिर असगर ने मस्जिद की रंगाई-पुताई के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। कहा था- हम लोग हर साल रमजान से पहले मस्जिद की रंगाई-पुताई करते हैं, लेकिन इस बार प्रशासन अनुमति नहीं दे रहा है। हिंदू पक्ष रंगाई-पुताई का विरोध कर रहा था। उनका कहना था- रंगाई-पुताई से मंदिर के साक्ष्य मिटाए जा सकते हैं, इसलिए परमीशन न दी जाए। 27 फरवरी को हाईकोर्ट में पहली बार इस मामले पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने 3 सदस्यीय कमेटी गठित की थी। इसमें मस्जिद के मुतल्लवी और भारतीय पुरातत्व विभाग को भी शामिल किया था। कोर्ट ने कमेटी को निर्देश दिया था कि 24 घंटे के अंदर कमेटी मस्जिद का निरीक्षण करके अपनी रिपोर्ट दे। 28 फरवरी को तीन सदस्यीय टीम संभल की शाही जामा मस्जिद पहुंची। टीम ने यहां डेढ़ घंटे रहकर अपनी रिपोर्ट तैयार की। इस दौरान साथ में मुस्लिम पक्ष के वकील जफर अली भी थे। इस दौरान ये 3 बातें निकलकर सामने आई थीं। मस्जिद के अंदरूनी हिस्से को गोल्डन, लाल, हरे और पीले जैसे तेज रंगों के साथ मोटी परतों में पेंट किया गया है, जो स्मारक की मूल सतह को छिपा रहा था। आधुनिक एनामल पेंट अब भी अच्छी स्थिति में है। एंट्री गेट के साथ प्रार्थना हॉल के पीछे और उत्तर की ओर स्थित कमरों की हालत कुछ खराब है। गेट का लिंटर खराब हो गया है।

हरियाणा में बीजेपी ने 10 में से 9 निगम जीते

• मानेसर में निर्दलीय मेयर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के नगरीय निकाय चुनाव के रिजल्ट बुधवार को घोषित हुए। भाजपा ने 10 नगरनिगम में से 9 में जीत दर्ज की है। कांग्रेस का किसी भी निगम में खाता नहीं खुला। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह

हुड्डा के गढ़ रोहतक में भी कांग्रेस जीत नहीं पाई। इसी तरह सिरसा नगरपरिषद में भाजपा का चेयरमैन बना। सिरसा से कांग्रेस की कुमारी सैलजा सांसद हैं। मानेसर नगर निगम में निर्दलीय डॉ. इंद्रजीत यादव चुनाव जीतीं। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार सुंदर लाल को हराया।

राजौरी में सीमा पार से फायरिंग, एक जवान घायल

• स्नाइपर अटैक हुआ

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू में राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में सीमा पार से हुई गोलीबारी में सेना का एक जवान घायल हो गया। जवान की पहचान मन कुमार बेगा के रूप में हुई है। वह गोरखा रेजीमेंट का है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि बॉर्डर पार से स्नाइपर

अटैक हुआ है। एलओसी पर ब्लास्ट भी हुआ, जिसके बाद तीन राउंड फायरिंग हुई। फिलहाल सेना ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पिछले 20 दिनों में एलओसी पर फायरिंग की ये पहली घटना है। दरअसल 21 फरवरी को भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच फ्लैग मीटिंग हुई थी। यह मीटिंग पुंछ सेक्टर के चाका दा बाग में आयोजित की गई थी।

अब जेलेंस्की 30 दिन के युद्धविराम के लिए तैयार

• अमेरिका-यूक्रेन में 8 घंटे चली बैठक

जेद्दाह (एजेंसी)। यूक्रेन वॉर खत्म करने को लेकर मंगलवार को अमेरिकी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच बैठक हुई। इसके बाद यूक्रेन ने अमेरिका के 30-दिन का युद्धविराम प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। इसकी पुष्टि

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने की। यह प्रस्ताव एक सकारात्मक कदम है। इसे स्वीकार करने के लिए यूक्रेन पूरी तरह तैयार है। अब अमेरिका की जिम्मेदारी है कि वह रूस को इसके लिए राजी करे। जैसे ही मॉस्को सहमति देगा, युद्धविराम तत्काल प्रभाव से लागू हो जाएगा। सऊदी अरब के जेद्दाह में हुई बैठक में यूएस सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रूबियो उपस्थित रहे।

भारत में बिना वैध पासपोर्ट घुसने पर 5 साल की जेल

• लोकसभा में इमिग्रेशन बिल पेश, जो विदेशी भारत के लिए खतरा, उसे एंट्री नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत आने वाले विदेशी नागरिकों की आवाजाही प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने के केन्द्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा इमिग्रेशन और विदेशी विधेयक-2025 पेश किया। इस बिल के मुताबिक यदि कोई गैर कानूनी तरीके से किसी विदेशी को देश में लाता, ठहराता या बसाता है, तो उसे 3 साल जेल या 2 से 5 लाख रुपए का जुर्माना या फिर दोनों की सजा हो सकती है। भारत में आने के लिए किसी भी विदेशी के पास वैध पासपोर्ट और वीजा होना अनिवार्य होगा। विपक्ष ने लोकसभा में इस बिल का विरोध किया। प्रस्तावित कानून के तहत विदेशी नागरिकों को विभिन्न अधिनियमों के तहत सजा दी जा सकती है। यदि कोई शिक्षण या मेडिकल संस्थान, अस्पताल या निजी आवास के मालिक किसी विदेशी नागरिक को रखते हैं तो उन्हें इसकी पहले इसकी सूचना सरकार को देनी होगी। कोई

भी विदेशी किसी भी संस्थान में दाखिला लेता है तो उसे एक फॉर्मेट में अपनी जानकारी भरकर पंजीकरण अधिकारी को देना होगी। इस कानून का मकसद राष्ट्रीय सुरक्षा तय करना है। साथ ही भारत में आने-जाने और रहने से जुड़े नियमों को सख्त बनाना है। इसके तहत अगर सरकार को किसी विदेशी नागरिक खतरा महसूस होता है, तो सरकार उस विदेशी नागरिक को भारत आने से रोक सकती है। लोकसभा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बिल पेश करते हुए कहा, देश की उन्नति, प्रभुता और शांति सरकार की जिम्मेदारी है। ये बिल हम किसी को रोकने के लिए नहीं ला रहे हैं, ज्यादा से ज्यादा लोग यहां पर आए लेकिन हमारे देश का जो कानून है उसका पालन जरूर करें।

• जाफर एक्सप्रेस को बम से उड़ाया, सुरंग के ऊपर स्नाइपर...

बीएलए ने जारी किया अपहरण का वीडियो 40 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान की जाफर एक्सप्रेस के अपहरण का वीडियो जारी कर दिया है।

इस वीडियो में नजर आ रहा है कि जाफर एक्सप्रेस जैसे ही सुरंग के पास पहुंचती है, बीएलए ने बम धमाका करके ट्रेन के इंजन क निशाना बनाया। इसके बाद ट्रेन अंदर सुरंग में घुस जाती है। बीएलए ने जाफर एक्सप्रेस क छुड़ाने के पाकिस्तानी सेना के किसी भी प्रयास को फेल करने के लिए सुरंग के ऊपर स्नाइपर बैठा रखे हैं। वीडियो में कई बंदी नजर आ रहे हैं। बीएलए का दावा है कि उसने 200 से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों बंधक बनाया है। यही नहीं बीएलए ने 40 पाकिस्तानी सैनिकों को मार डालने का दावा किया है। वहीं पाकिस्तानी सेना हेलीकॉप्टर से अभियान चला रही है। इस लड़ाई में अभी बीएलए के लड़ाके भारी पड़ रहे हैं। पाकिस्तानी सेना का कहना है कि सुरक्षा बल लगातार बीएलए पर हमले कर रहे हैं। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान 37 यात्री घायल हो गए और उन्हें चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि नौ डिब्बों में लगभग 500 यात्रियों को लेकर जाफर एक्सप्रेस ट्रेन क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर जा रही थी तभी सशस्त्र हमलावरों ने मंगलवार की दोपहर को बोलान क्षेत्र में पीरू कुनरी और गुदलार के पहाड़ी इलाकों के पास एक सुरंग में उसे रोक लिया।

लाउडस्पीकर के नियम तोड़ने पर होगी जेल !

• महाराष्ट्र में कानून बदलने की तैयारी में देवेंद्र फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अगर वे नियमों का उल्लंघन करते हैं और निर्धारित डेसीबल सीमा से अधिक शोर करते हैं तो धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों की अनुमति रद्द कर जाएगी। यानी अगर लाउडस्पीकर ज्यादा आवाज करते हैं तो

उनकी परमीशन खत्म हो जाएगी। सीएम फडणवीस ने कहा कि स्थानीय पुलिस इंस्पेक्टर यह जांच करेंगे कि धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर लगाने की अनुमति है या नहीं। एसआई नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी करेंगे।

मॉरीशस का नया संसद भवन बनाने में मदद करेगा भारत

• मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में हुए शामिल • पीएम मोदी को मिला मॉरीशस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

पोर्ट लुइस (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मॉरीशस दौरे का बुधवार को दूसरा दिन है। वे मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होने पहुंचे हैं। पीएम मोदी बतौर मुख्य अतिथि इस समारोह में शामिल हुए हैं। मॉरीशस को 12 मार्च 1968 को ब्रिटिश से आजादी मिली थी। यह राष्ट्रमंडल के तहत 1992 में गणतंत्र बना। भारतीय मूल के भारतीय मूल के सर शिवसागर रामगुलाम की अगुआई में मॉरीशस को आजादी मिली थी। इस दिन को मॉरीशस राष्ट्रीय दिवस के तौर पर मनाता है। आज के समारोह में भारतीय सेना की एक टुकड़ी, नौसेना का एक वॉरशिप और एयरफोर्स की आकाश गंगा स्काई डाइविंग टीम भी इस समारोह में हिस्सा ले रही है। इस दौरान भारी बारिश भी हो रही है। इस दौरान पीएम मोदी को

मॉरीशस के सर्वोच्च पुरस्कार द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन दिया गया। मोदी यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय हैं। किसी देश की तरफ से पीएम मोदी को दिया गया यह 21वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है। भारत और मॉरीशस के प्रधानमंत्रियों के बीच आज सुबह द्विपक्षीय बातचीत हुई। दोनों देशों के बीच 8 समझौते हुए हैं। पीएम मोदी और मॉरीशस पीएम ने ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित भी किया। इस दौरान मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे स्वतंत्रता के 57वें वर्षगांठ के राष्ट्रीय दिवस समारोह में अपनी उपस्थिति से हमें सम्मानित किया है। उनकी मौजूदगी दोनों देशों के बीच अच्छे संबंधों का सबूत है। वहीं पीएम मोदी ने कहा, 140 करोड़ भारतीयों की ओर से मैं मॉरीशस के लोगों को उनके राष्ट्रीय दिवस पर बधाई देता हूं। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे एक बार फिर मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस पर यहां आने का अवसर मिला। भारत और मॉरीशस सिर्फ हिंद महासागर से ही नहीं, बल्कि साझा संस्कृति से भी जुड़े हुए हैं।

अब नौ सेना को भी मिलेंगे महाबली राफेल

• अप्रैल में 26 विमानों की होगी डील, भारत में लगेगी फैक्ट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना फ्रांस की राफेल से अपने पुराने मिग 29 लड़ाकू विमानों को बदलने की तैयारी में है। नौसेना के लिए भारत 26 नए राफेल विमान खरीदेगा। इस सौदे की आधिकारिक घोषणा अप्रैल 2025 में होने की उम्मीद है जब फ्रांस के रक्षा मंत्री भारत आएंगे। इस पूरे सौदे की कीमत लगभग 7.6 अरब डॉलर होगी। ये नए राफेल एम विमान व पुराने विमानों की जगह लेंगे। ये पुराने विमान अभी भारतीय नौसेना के 300 स्क्वाड्रन व्हाइट टाइगर्स और 303 स्क्वाड्रन ब्लैक पैंथर्स में इस्तेमाल हो रहे हैं। नए राफेल जेट आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य नाम के एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भरेंगे। ये विशाल जहाज समुद्र में तैरते हुए हवाई अड्डे की तरह होते हैं। इन 26 राफेल विमानों में से 22 राफेल एम विमान होंगे। ये खासतौर पर एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भरने के लिए डिजाइन किए गए हैं। बाकी के चार विमान राफेल बी ट्रेनर विमान होंगे। ये दो सीट वाले विमान होते हैं, जिनका इस्तेमाल पायलटों को प्रशिक्षण देने के

लिए किया जाता है। ट्रेनर विमान एयरक्राफ्ट कैरियर से नहीं उड़ सकते। इन नए विमानों की डिलीवरी 2029 में शुरू हो जाएगी। राफेल विमान बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन भारत में अपनी एक असेंबली लाइन लगाने पर भी विचार कर रही है। इसका मतलब है कि कुछ राफेल विमान भारत में ही बनाए जाएंगे। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि भारत समेत कई देशों से राफेल विमानों के बहुत सारे ऑर्डर मिले हैं। भारत की मेक इन इंडिया पॉलिसी के तहत खरीदे जाने वाले 60 फीसदी हथियार भारत में ही बनने चाहिए। भारत के इस नए ऑर्डर को मिलाकर दसॉ एविएशन के पास कुल 256 राफेल विमान बनाने के ऑर्डर हैं। इनमें से 190 विमान दूसरे देशों के लिए और 56 विमान फ्रांसीसी वायु सेना के लिए हैं। दसॉ अभी हर महीने तीन विमान बनाती है। इस हिसाब से सभी ऑर्डर पूरे करने में लगभग 7 साल लग जाएंगे। फरवरी में फ्रांस के रक्षा मंत्री ने 20 से 30 और राफेल विमान खरीदने की योजना की घोषणा की थी। इससे साफ है कि राफेल विमानों की मांग दुनिया भर में बढ़ रही है। भारत ने जुलाई 2023 में ही 26 और राफेल विमान खरीदने की योजना बना ली थी।

उस समय रक्षा मंत्रालय ने नौसेना के लिए 26 राफेल और तीन स्कॉर्पीन क्लास पनडुब्बियों की खरीद को मंजूरी दे दी थी। भारत ने 2016 में 36 राफेल विमानों का ऑर्डर दिया था। इनमें से आखिरी दो विमान दिसंबर 2022 में भारत पहुंचे थे।

सीएम नीतिश भांग खाकर विधानसभा में पहुंचते हैं

राबड़ी बोलीं-सदन में महिलाओं को बेइज्जत करते हैं

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के 9वें दिन बुधवार को सदन में खूब हंगामा हुआ। विधानसभा के बाहर पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने कहा-सीएम नीतिश कुमार भंगेड़ी हैं, वो विधानसभा में भांग खाकर आते हैं और महिलाओं का अपमान करते हैं। इससे पहले विधान परिषद में राबड़ी देवी और सीएम नीतिश के बीच बहस हुई है। राबड़ी ने कहा- बिहार में कोई काम नहीं हो रहा है। इस बयान पर मुख्यमंत्री भड़क गए। उन्होंने कहा- एनडीए के राज में कोई काम नहीं हुआ। राबड़ी देवी की तरफ इशारा करते हुए कहा- जब इनके पति हट गए, तब इन्हें सीएम बनाया गया। नीतिश ने

कहा-महिलाओं के लिए पहले कोई काम हुआ था। हमने कितना काम किया है। पहले महिलाओं को कोई पढ़ाता था। अब महिलाएं आगे हैं। पांचवीं क्लास तक महिलाएं पढ़ती थीं। आज महिलाएं कितनी आगे हैं। इन लोगों के चक्कर में चली गई हो तो कुछ नहीं जानती हो। पहले पूरी बात जानिए।

संपादकीय

आखिर कब थमेगी मणिपुर में हिंसा...

मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि वहां शांति बहाल करने और समस्या का कोई ठोस हल निकालने के लिए अब तक जितने भी प्रयास किए गए, उनके पीछे दूरदर्शिता की कमी रही। हैरानी की बात यह है कि राज्य में हिंसा की शुरूआत के बाद मई में अब दो वर्ष हो जाएंगे। इसके कारण आमतौर पर स्पष्ट रहे हैं कि यह टकराव मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के मसले से पैदा हुआ। इसके बावजूद राज्य से लेकर केंद्र सरकार की ओर से ऐसा कोई हल या प्रस्ताव सामने नहीं आ सका है, जिस पर संबंधित पक्षों के बीच सहमति बने और राज्य में शांति कायम हो।

यह एक तरह से राज्य सरकार की नाकामी ही थी कि चौतरफा और लगातार सवाल उठने के बीच वहां के मुख्यमंत्री को आखिर इस्तीफा देना पड़ा। उसके बाद लागू राष्ट्रपति शासन में भी हिंसक घटनाओं पर काबू पाने और स्थिति में सुधार के मोर्चे पर अब तक आश्वासनों से आगे बढ़ कर कुछ भी ऐसा नहीं किया जा सका है, जो जमीनी स्तर पर स्थानीय लोगों और खासतौर पर हिंसा प्रभावित समुदायों के भीतर विश्वास पैदा करे और वे राज्य में शांति बहाली में भागीदारी निभाएं। गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी में शनिवार को इंफल-दीमापुर उच्च मार्ग पर कुकी समुदाय और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक व्यक्ति की जान चली गई। वहीं इस टकराव में सत्ताईस से ज्यादा जवान घायल हो गए। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में सभी सड़कों पर वाहनों की स्वतंत्र आवाजाही को लेकर एक निर्देश जारी किया था। राज्य में सबसे ज्यादा प्रभावित समुदाय के स्थानीय लोगों ने निर्देश का व्यापक विरोध किया, जिसके बाद तनाव बढ़ गया और अब फिर अराजकता की स्थिति में कांगपोकपी में कई इलाकों में कर्फ्यू लगाने की नौबत आई।

यह स्थिति तब है, जब मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बाद वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया है, वहां के राज्यपाल ने उपद्रवियों से सभी लूटे गए हथियार जमा करने को कहा है। अब तक पांच सौ से ज्यादा हथियार जमा भी किए जा चुके हैं। मगर यह साफ है कि हिंसा को थामने और उससे भी ज्यादा समस्या के हल के लिए कुछ भी ऐसा ठोस नहीं किया गया है, जिससे स्थायी रूप से शांति कायम करने का कोई रास्ता निकले।

सही है कि सड़कों पर बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करना स्थिति को सामान्य बनाने में एक सहायक कदम हो सकता है। लंबे समय से राज्य में जारी हिंसा के बीच संभवतः वहां के सभी प्रभावित लोग और समुदाय शांति की उम्मीद में होंगे। लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर यह समस्या के मूल कारणों को दूर किए बिना सतह पर कुछ किया जाता है, तो इसके नतीजे अनुकूल नहीं भी आ सकते हैं। ताजा हिंसा के बाद स्थानीय कुकी संगठनों की ओर से जैसी प्रतिक्रिया आई है, वह इसी का उदाहरण है।

कुकी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संगठन की ओर यह कहा गया कि वे शांति का समर्थन करते हैं, लेकिन इस तरह के उपायों से नाराजगी और संघर्ष की स्थिति पैदा होगी। राज्य में हिंसा की शुरूआत के करीब पौने दो वर्ष बाद भी अगर हालात में कोई सुधार आता नहीं दिख रहा है, तो यह सरकारों के भीतर ईमानदार राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को ही दर्शाता है। जब तक स्थायी शांति के लिए राजनीतिक स्तर पर ठोस समाधान नहीं निकाला जाता, तब तक तात्कालिक उपायों का शायद कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आएगा।

लगातार अभ्यास और लक्ष्य साध कर लिखी गई जीत की पटकथा

विजयरथ पर सवार भारतीय क्रिकेट टीम ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। न्यूजीलैंड को हरा कर उसने जो खिताब हासिल किया, वह एक बार फिर बेहद खास उपलब्धि है। इस मायने में भी कि भारतीय टीम ने बारह साल बाद 'चैंपियंस ट्राफी' जीती। इस तरह उसने अपनी दृढ़ता और समर्पण का ही परिचय दिया। भारतीय टीम ने लगातार अपने अभ्यास और लक्ष्य को साध कर जीत की पटकथा लिखी। आइसीसी चैंपियंस खिताब हासिल करने के लिए हमारे जांबाज खिलाड़ियों ने जिस जोश और लगन के साथ मैदान में प्रदर्शन किया, उस पर हर देशवासी को गर्व है। गौरतलब है कि इससे पहले भारत इंग्लैंड को हरा कर चैंपियन बना था, उसके बाद वर्ष 2002 में श्रीलंका के साथ संयुक्त रूप से खिताब जीता था। इस बार हमारी टीम ने पूरी दुनिया को बता दिया कि वह विश्व चैंपियन है। उसकी रगों में जीत का रंग बहता है। मैदान में पूरे जोश से खेलते हुए उसने अपने करोड़ों प्रशंसकों की आंखों में सपनों के कई रंग भर दिए। खिताब हासिल करने के लिए टीम के सभी खिलाड़ियों के साथ रोहित शर्मा की बल्लेबाजी बेहद महत्त्वपूर्ण रही। बतौर कप्तान उन्होंने गेंदबाजों को आक्रामक बनाए रखते हुए न्यूजीलैंड को घुटने टेकने के लिए बाध्य कर दिया। खास बात यह कि उनके नेतृत्व में टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रही। इस अहम खिताब को भारत के नाम करने के लिए श्रेयस अय्यर ने तो ऐसे समय बल्लेबाजी की, जब मैदान से रोहित के बाहर हो जाने से झटका लग चुका था। उनकी वजह से स्थिति संभली और फिर श्रेयस ने अक्षर पटेल के साथ शानदार पारी खेलते हुए भारत को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। दोनों ने इकसठ रन की साझेदारी करते हुए जीत की सुनहरी पटकथा तैयार कर दी। मध्यम क्रम में केएल राहुल ने अपने चौंतीस रनों से भारत के विजय का परचम लहराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस तरह जीत के जज्बे से भरी भारतीय टीम ने अपने प्रशंसकों के लिए होली से पहले ही जश्न मनाने का अवसर दे दिया। फिलहाल भारतीय टीम के बीच जिस स्तर का तालमेल दिख रहा है, वह भविष्य में कामयाबी का एक बड़ा फलक तैयार करने की उम्मीद जगाता है।

आज का कार्टून

परिसीमन को लेकर तमिलनाडु से पंजाब तक क्यों बढ़ रही चिंता

दक्षिण भारत के राज्यों को इस बात का डर है कि परिसीमन के बाद उत्तर भारत में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ सकती है जबकि दक्षिण की हिस्सेदारी कम हो सकती है। बताना होगा कि भारत में लोकसभा सीटों का परिसीमन जनसंख्या के हिसाब से होता है। जनसंख्या के हिसाब से परिसीमन होने पर न सिर्फ तमिलनाडु बल्कि दक्षिण के अन्य राज्यों- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तेलंगाना में भी लोकसभा सीटों की संख्या कम हो सकती है। दूसरी ओर उत्तर भारत के राज्यों में सीटें बढ़ेंगी। ऐसा इसलिए क्योंकि उत्तर भारत में आबादी ज्यादा है इसलिए यहां लोकसभा की सीटें बढ़ेंगी और इसका मतलब यह होगा कि संसद में उत्तर भारत की आवाज दक्षिण के मुकाबले ज्यादा मजबूत होगी। तमिलनाडु और दक्षिण के अन्य राज्यों की इसी चिंता को देखते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में स्पष्ट कर चुके हैं कि परिसीमन के बाद भी दक्षिण के किसी भी राज्य की सीट कम नहीं होगी।

पवन उप्रेती

देश की राजनीति में इन दिनों परिसीमन को लेकर अच्छी-खासी तनातनी चल रही है। दक्षिणी राज्यों को इस बात का डर है कि परिसीमन के बाद उनकी लोकसभा की सीटें कम हो सकती हैं। विशेषकर तमिलनाडु ने परिसीमन के खिलाफ पुरजोर ढंग से आवाज उठाई है। बताना होगा कि 1973 में हुए परिसीमन के बाद से संसद और राज्यों में सीटों की संख्या स्थिर है। 2026 के बाद होने वाली जनगणना के आधार पर अगला परिसीमन किया जाना है।

हैरानी की बात है कि दक्षिण के अलावा परिसीमन के खिलाफ आवाज अब उत्तर भारत के राज्य पंजाब से भी उठी है। पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने हाल ही में पंजाब के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से कहा है कि वे साथ मिलकर परिसीमन के मामले पर चर्चा करें और अगर जरूरत पड़ती है तो मिलकर इसका विरोध करें। आइए, इस मामले को थोड़ा ढंग से समझने की कोशिश करते हैं। बात पहले दक्षिण के राज्यों से शुरू करते हैं।

दक्षिण भारत के राज्यों को इस बात का डर है कि परिसीमन के बाद उत्तर भारत में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ सकती है जबकि दक्षिण की हिस्सेदारी कम हो सकती है। बताना होगा कि भारत में लोकसभा सीटों का परिसीमन जनसंख्या के हिसाब से होता है। जनसंख्या के हिसाब से परिसीमन होने पर न सिर्फ तमिलनाडु बल्कि दक्षिण के अन्य राज्यों- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तेलंगाना में भी लोकसभा सीटों की संख्या कम हो सकती है। दूसरी ओर उत्तर भारत के राज्यों में सीटें बढ़ेंगी। ऐसा इसलिए क्योंकि उत्तर भारत में आबादी ज्यादा है इसलिए यहां लोकसभा की सीटें बढ़ेंगी और इसका मतलब यह होगा कि संसद में उत्तर भारत की आवाज दक्षिण के मुकाबले ज्यादा मजबूत होगी। तमिलनाडु और दक्षिण के अन्य राज्यों की इसी चिंता को देखते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में स्पष्ट कर चुके हैं कि परिसीमन के बाद भी दक्षिण के किसी भी राज्य की सीट कम नहीं होगी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन कहते हैं कि तमिलनाडु और अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों को जनसंख्या आधारित परिसीमन की वजह से नुकसान होगा क्योंकि उन्होंने बढ़ती जनसंख्या को काबू किया है। उन्होंने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि 1971 की जनसंख्या के आधार पर ही सीटों का बंटवारा हो और इसे 2026 के बाद अगले 30 साल के लिए बढ़ा दिया जाना चाहिए। स्टालिन की असली चिंता आंकड़ों के गणित को लेकर है। मौजूदा वक्त में तमिलनाडु में 39 लोकसभा सीटें हैं और लोकसभा की 543 सीटों के हिसाब से तमिलनाडु की हिस्सेदारी 7 प्रतिशत है। अगर लोकसभा सीटों की संख्या देशभर में बढ़कर 848 हो जाती है और जनसंख्या के आधार पर सीटों का बंटवारा होता है तो तमिलनाडु के पास बढ़कर 45 सीटें हो जाएगी लेकिन कुल सीटों की हिस्सेदारी में उसका प्रतिशत घटकर 5 प्रतिशत रह जाएगा। लेकिन अगर 1971 का जनसंख्या वाला अनुपात रखा जाए तो तमिलनाडु को 59 सीटें मिलेगी जिससे उसकी हिस्सेदारी 7 प्रतिशत पर कायम रहेगी। यदि लोकसभा में सांसदों की सीटों की संख्या 543 ही रखी जाए और परिसीमन नई जनगणना के आधार पर हो तो तमिलनाडु में सीटों की संख्या घटकर 30 रह जाएगी और उसकी हिस्सेदारी घटकर 5.5 त्न रह जाएगी। इसलिए मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा है कि लोकसभा सीटें का निर्धारण केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने तमिलनाडु के सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर एकजुट होने की अपील की है। अब एक बार फिर से बात करते हैं पंजाब की। प्रताप सिंह बाजवा से पहले चंडीगढ़ से कांग्रेस के सांसद मनीष तिवारी ने भी परिसीमन के मुद्दे को लेकर अपनी बात रखी थी। मनीष तिवारी ने कहा था कि यदि परिसीमन 'एक नागरिक, एक वोट और एक समान मूल्य' के आधार पर लागू होता है तो लोकसभा और राज्यसभा में उत्तर भारतीय राज्यों की कुल हिस्सेदारी घट जाएगी।

तिवारी ने कहा था कि इस परिसीमन से केवल मध्य भारत के राज्यों को लाभ होगा जबकि पंजाब और हरियाणा के बीच तनाव बढ़ सकता है। उन्होंने सवाल किया, 'क्या पंजाब हरियाणा के बराबर लोकसभा सीटें स्वीकार करेगा?' मौजूदा वक्त में पंजाब में 13 और हरियाणा में 10 लोकसभा सीटें हैं। हरियाणा में जनसंख्या वृद्धि पंजाब की तुलना में ज्यादा है और इसका एक कारण एनसीआर में अन्य राज्यों से लगातार आ रहे लोग भी हैं। पंजाब हरियाणा को अपना 'छोटा भाई' माना है क्योंकि इसे 1966 में पंजाब से अलग करके बनाया गया था। दोनों राज्यों के बीच राजधानी चंडीगढ़ के अलावा सतलुज यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर की वजह से भी राजनीतिक लड़ाई चलती रहती है।

कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा का कहना है कि यदि लोकसभा की कुल सीटें 848 होती हैं तो भी पंजाब को बहुत कम फायदा होगा जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को ज्यादा सीटें मिलेंगी क्योंकि इन राज्यों में जनसंख्या ज्यादा है। बाजवा ने कहा कि बीजेपी इन सभी राज्यों में मजबूत है और पंजाब उत्तर भारत के उन राज्यों में से है जहां बीजेपी अब तक अपनी पकड़ मजबूत नहीं कर सकी है। इस आधार पर बाजवा का कहना है कि बीजेपी परिसीमन की मौजूदा प्रणाली को ही बनाए रखने की कोशिश करेगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार पंजाब के खिलाफ साजिश रच रही है।

बीजेपी का इस मामले में स्पष्ट रूप से कहना है कि परिसीमन एक संवैधानिक प्रक्रिया है। पंजाब बीजेपी के मीडिया प्रमुख विनीत जोशी ने कहा, 'कांग्रेस की सरकारों के दौरान 1951, 1961 और 1971 में लोक सभा, राज्यसभा और विधानसभा सीटों क परिसीमन हुआ था। यह प्रक्रिया जनगणना पर आधारित थी। क्या वह गलत थी? अगर नहीं, तो कांग्रेस के नेता अब डरे हुए क्यों हैं?'

इस मामले में हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय स्तर पर सभी दलों की बैठक बुलाई जानी चाहिए ताकि सभी की सहमति से परिसीमन की प्रक्रिया को शुरू किया जाए। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि जनगणना के बाद ही परिसीमन का मुद्दा सामने आएगा।

यहां यह भी समझना जरूरी होगा कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन किया जाना संविधान के द्वारा निर्धारित प्रक्रिया है। इसे बदलने के लिए संविधान में संशोधन की जरूरत संविधान में संशोधन की जरूरत होगी। आपातकाल के दौरान 42वें संविधान संशोधन के तहत संसद और विधानसभा सीटों की संख्या को 2001 तक स्थिर रखा गया था। 2002 में 84वें संशोधन के तहत यह प्रावधान 2026 तक बढ़ा दिया गया।

संविधान के अनुच्छेद 81 के तहत लोकसभा में कुल सीटों की संख्या 550 से अधिक नहीं हो सकती। ऐसे में केंद्र सरकार सीटों की संख्या बढ़ाने का फैसला करती है, तो इसके लिए उसे दो-तिहाई बहुमत से संविधान संशोधन करना होगा। लेकिन अगर सीटों की संख्या नहीं बढ़ती है तो जनगणना आधारित परिसीमन से लोकसभा में दक्षिणी राज्यों को नुकसान हो सकता है। यह साफ है कि आने वाले दिनों में दक्षिण के राज्यों में तो परिसीमन को लेकर विरोध तेज हो ही सकता है, उत्तर भारत में भी इसे लेकर मजबूत आवाज उठ सकती है।

उपभोग और विलासिता कुछ समय के लिए...

सुखी और स्वार्थपूर्ण जीवन की लालसा कभी खत्म नहीं होती। इसलिए यही हमारी अनैतिक इच्छा को भी पैदा करती है। नतीजतन, भारी अफसोस और कुंठा हमारे जीवन का अंग बन जाते हैं। जबकि विचार करने पर लगता है कि जो भी अपने पास अतिरिक्त है, उसका दान करना, उदारता का व्यवहार रखना, मिल-बांटकर खाना और जमाखोरी न करने का आविर्भाव इसी मतलबीपन को समेटने के लिए हुआ है। अपने पास बस काम चलाने लायक रखना, बाकी किसी जरूरतमंद को दे देना। यह विचार हमारे मन को ऊर्जा यानी खुशी और संतोष से जीवन जीने की शक्ति देता है।

मुग्धा

ऐसा कहा जाता है कि मतलबीपन या स्वार्थपूर्ण विचार से अपने मानसिक संतोष को न तो कभी समझा जा सकता है और न ही इसका अनुभव किया जा सकता है। मानसिक सुकून के लिए त्याग और उदारता का मार्ग ही श्रेष्ठ बताया गया है। अगर मन में करूणा होती है और हमारी आदत या संस्कार में भी उदारता सहज ही शामिल हो जाती है तो उसके बाद बिताया जाने वाला हर पल परिपक्व होता जाता है।

आज का समय तकनीक और सुविधा से लैस युग है। हममें से किसी को यह सच नहीं पता कि कल हमारे साथ क्या होगा। मगर सामाजिक होने के उदार भाव में शायद ऐसी असुरक्षा हावी नहीं रहती है। उसके मन में कहीं न कहीं समाहित है इसका समुचित उत्तर। उत्तर यह है कि जो भी होगा, जैसा भी होगा, उसमें शायद स्वीकार का भाव होगा। सामाजिक संबंध का ताना-बाना हर तरह की परिस्थिति में मानसिक मजबूती देगा। इसलिए उदारमना लोग अपनी सकारात्मक विचारधारा के माध्यम से आगे होने वाली घटनाओं को एक सकारात्मक परिभाषा तक दे लेते हैं। इस संदर्भ में एक सुंदर प्रसंग है। गौतम बुद्ध अपने शिष्य आनंद की मानसिक परिपक्वता को परखने के लिए पूछते हैं कि मान लो, अगर कोई अपशब्द कहने लगे तो क्या विचलित हो जाओगे? आनंद उत्तर देते हैं कि नहीं तथागत, कदापि नहीं। मैं तो कुदरत का आभार व्यक्त करूंगा कि वह मुझे शारीरिक कष्ट नहीं दे रहा है। इस उत्तर से बुद्ध को बहुत सुकून मिला और उन्होंने आनंद की इस परिपक्व सोच की सराहना की। आनंद और बुद्ध के इस संवाद में जीवन के सूत्र छिपे हैं। माफ कर देने की उदारता, सबको मनुष्य समझकर उसकी गलती पर उत्तेजित न होने की विशालता और समाज में सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की कुशलता आदि।

अगर हम बचपन से अपने जीवन को देखें तो अपना जीवन भी औरों से कहीं ऐसी ही सहज उदारता की तलाश में ही लगा होता है। सहज ममता हमको माता-पिता से मिल जाए, सहज सुख हमें हमारे दोस्त और सहपाठी अनवरत देते रहें, सहज ज्ञान जो हमारे शिक्षक हमें बगैर पक्षपात के प्रदान करते रहें, सहज धन आगमन जो कि मेहनत करते मिल जाए। अगर हम यह सब प्राप्त करने के साथ देने को भी तैयार रहते हैं, तो जीवन सतरंगी हो जाता है। बादल और वृक्ष से हमको सीखना चाहिए कि केवल जल लेकर वृक्ष अपनी सारी संपदा को वापस लौटा देता है। वृक्ष के फल और फूल ही नहीं, पत्ते, छाल, डाल, जड़ तक उपयोग में ले ली जाती है। उसकी घनी छांव के तो क्या ही कहने! कितने राहगीर, कितने पशु और पंछी उसकी निश्छल छांव से अपना जीवन सुख पाते रहते हैं।

महान दार्शनिक अरस्तू कहते हैं कि एक वस्तु, व्यक्ति या परिस्थिति एक व्यक्ति को जरूरत से अधिक सुख दे देती है, लेकिन वह जरा-सा किसी और को दिया जाए तो उसकी जान बच जाती है। एक बार एक सुल्तान के स्नान लिए रेगिस्तान में ऊंटों के जरिए हजारों लीटर पानी ले जाया जा रहा था। रेगिस्तान में प्यास से भटक रहे यात्रियों के समूह को सुल्तान के सेवक ने दया करके कुछ जल दे दिया तो सूखे कंठ से कराहते यात्री अपना जीवन बचा पाए। वे सुल्तान के लिए शुक्रिया के गीत गाने लगे, लेकिन सुल्तान को इसमें कोई महान बात नजर नहीं आई। आखिरकार उसके पास बहुत सारा अतिरिक्त जल था। जरा-सा दे भी दिया तो कौन-सी खास बात हुई। लेकिन यह तरसते हुए प्यासे लोग जानते थे एक-एक बूंद जल का असली महत्त्व। हमारे जीवन में चीजों का बहुत सारा उपभोग और विलासिता कुछ समय के लिए ही होते हैं, क्योंकि एक सीमा तक ही हम स्वाद, शौक या आनंद या रौनक में खुश रह पाते हैं। इसके बाद उसका इतना महत्त्व नहीं रह जाता। मगर अकिंचन और निर्धन के लिए उसमें से जरा-सा भी पर्याप्त होता है। हमको यह बात याद रखनी चाहिए।

सुखी और स्वार्थपूर्ण जीवन की लालसा कभी खत्म नहीं होती। इसलिए यही हमारी अनैतिक इच्छा को भी पैदा करती है। नतीजतन, भारी अफसोस और कुंठा हमारे जीवन का अंग बन जाते हैं। जबकि विचार करने पर लगता है कि जो भी अपने पास अतिरिक्त है, उसका दान करना, उदारता का व्यवहार रखना, मिल-बांटकर खाना और जमाखोरी न करने का आविर्भाव इसी मतलबीपन को समेटने के लिए हुआ है। अपने पास बस काम चलाने लायक रखना, बाकी किसी जरूरतमंद को दे देना। यह विचार हमारे मन को ऊर्जा यानी खुशी और संतोष से जीवन जीने की शक्ति देता है। उदारता और समभाव हमारे विवेक को बढ़ाने में सहायता करता है। अपने को समाज का विस्तार मानना और समाज में खुद को देखना ही हमारी सकारात्मक चेतना का एक सही विस्तार है। इस समाज में हमारा जन्म हुआ है और इसी वातावरण में हमें समा जाना है।

यही सृष्टि का भी अर्थ है। इसलिए हम अपने पास कुछ भी रोक कर नहीं रख सकते। अपनी युवावस्था, चमकीली त्वचा, अपने काले घने बाल, चमचमाते दांतों सहित कुछ भी नहीं। हमको सब कुछ छोड़ना ही होता है। अक्लमंदी यही हुई कि जब तक हों, तब तक समाज के लिए उपयोगी बन जाएं। मान लिया जाए कि खुले मन से कुछ भी देना या बांटना हमें आए या न आए, यह प्रकृति ज्यादा देर तक हमें कुछ भी रखने नहीं देती है। कुदरत की इस अलौकिक प्रयोगशाला में हमने देखा है कि इसमें सभी कुछ बनता भी है तो शून्य से है और वह समा भी शून्य में ही जाता है। हम एक संकल्प कर सकते हैं कि अपने पास अगर देने को कुछ न हो तो अपनी शुभकामना, सद्भावना ही अपने समाज को देते रहेंगे।

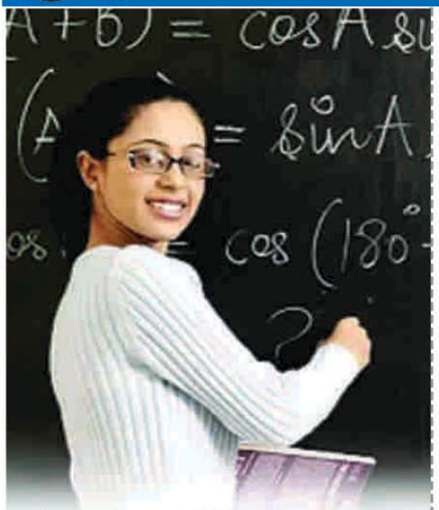

केंद्रीय विद्यालय में कैसे बनते हैं टीचर?

अगर आप भी केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनने की सोच रहे हैं और आपको नहीं पता है कि केंद्रीय विद्यालय में टीचर कैसे बनते हैं तो आपको हम यहां पर बता रहे हैं कि कैसे केंद्रीय विद्यालय में टीचर बना जा सकता है।

बहुत से युवाओं का सपना होता है कि वे टीचर बनकर बच्चों को पढ़ाएं। अगर आप भी टीचर बनना चाहते हैं और शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान देना चाहते हैं तो केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनकर आप अपना यह सपना पूरा कर सकते हैं। केंद्रीय विद्यालय में समय-समय पर टीचर के पद की वैकेंसी निकलती रहती हैं। केंद्रीय विद्यालय की वैकेंसी निकलते ही आपको अप्लाई करना होगा। अप्लाई करने के बाद रिटेन परीक्षा में उत्तीर्ण होकर इंटरव्यू क्लियर करना होगा। इंटरव्यू और मेडिकल के बाद आपको जॉइनिंग लेटर मिलेगा।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनने के लिए अप्लाई करने वाले कैंडिडेट को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम से कम 50% मार्क्स के साथ ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही हिंदी और अंग्रेजी दोनों का ज्ञान होना चाहिए। कैंडिडेट की मैक्सिमम उम्र 35 वर्ष होना चाहिए। इसके अलावा कैंडिडेट्स को बैचलर ऑफ़ एजुकेशन कोर्स किया होना चाहिए। साथ ही अभ्यर्थी को सीटेट की परीक्षा भी पास किए होना चाहिए।

क्या बीएड?

यह एक ग्रेजुएशन डिग्री प्रोग्राम है, जो आम तौर पर तीन से चार साल तक चलता है। इसमें छात्रों को स्कूलों में टीचर के रूप में काम करने के लिए ट्रेन किया जाता है। क्वश्वस्त्र में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों को ग्रेजुएट डिग्री कम से कम 50 परसेंट मार्क्स और कुछ सब्जेक्ट्स में 55 परसेंट मार्क्स के साथ पास करना ज़रूरी है।

सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट एग्जाम

केवी का टीचर बनने के लिए छात्र का CTET एग्जाम पास करना जरुरी है। CTET एक परीक्षा होती है, जिसे पास करने के बाद आप केंद्र और राज्य स्तर के विद्यालयों में शिक्षक पद के लिए अप्लाई कर सकते हैं। CTET का आयोजन साल में दो बार होता है। इसमें दो पेपर होते हैं। पहला पेपर प्राइमरी एजुकेशन यानी 5वीं तक पढ़ाने के लिए अप्लाई करने वाले कैंडिडेट्स के लिए होता है। दूसरा पेपर सीनियर क्लासेज में पढ़ाने वाले कैंडिडेट्स के लिए होता है।

बीटेक के लिए ईई या ईसीई कौन बेहतर?

टेक्नोलॉजी एडवांसमेंट्स के साथ इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों की मांग बढ़ रही है लेकिन बीटेक के लिए ईई या ईसीई कौन बेहतर है और क्या अंतर है?

अगर आप इंजीनियरिंग कोर्स को लेकर कन्फ्यूज हैं, तो हम आपकी उलझन थोड़ी दूर कर देते हैं। ये आर्टिकल इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के बारे में है। जान लें- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में क्या अंतर है? दोनों में कौन सी ब्रांच बेहतर है?

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग क्या है?

यह मुख्य रूप से उन उपकरणों, डिवाइस और सिस्टम स्टडी, डिजाइन एंड एप्लिकेशन से संबंधित है, जो बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत चुंबकत्व का उपयोग करते हैं। यह उन्हें इलेक्ट्रिकल उपकरण डिजाइन करने में मदद करता है, जैसे कि इलेक्ट्रिक मोटर, रडार और नेविगेशन सिस्टम, कम्युनिकेशन सिस्टम, बिजली उत्पादन उपकरण, ऑटोमोबाइल और विमान। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों के पास नौकरी के बहुत से विकल्प हैं और उन्हें कई क्षेत्रों में काम मिल सकता है। वे कंट्रोल इंजीनियरिंग, प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग, टेस्ट इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, टेली कम्युनिक्शन इंजीनियरिंग, डिजाइन इंजीनियरिंग, सिस्टम इंजीनियरिंग, एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, रीन्युएबल एनर्जी सेक्टर, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स में काम कर सकते हैं। भारत में एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ग्रेजुएट की शुरुआती सैलरी औसत 4.5 लाख रुपये प्रति वर्ष है। यह इस बात पर निर्भर कर सकता है कि वे कहां काम करते हैं, उनके पास कितना अनुभव है, और वे किस उद्योग में हैं। शुरुआती वेतन अक्सर अच्छा होता है और अधिक अनुभव के साथ वे अधिक कमाते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग क्या है?

ये एक विविध इंजीनियरिंग क्षेत्र है जो इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार नेटवर्क को डिजाइन करने, विकसित करने और लागू करने पर केंद्रित है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग ग्राहक और परियोजना आवश्यकताओं की पहचान करते हैं, समाधान खोजते हैं, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और सिस्टम डिजाइन करते हैं, फर्मवेयर और एम्बेडेड सॉफ्टवेयर विकसित करते हैं, प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं, और निर्माण की देखरेख करते हैं। वे अगली पीढ़ी के गैजेट और बुनियादी ढांचे का आविष्कार करने के लिए अत्याधिक उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और संचार तकनीकों को एकीकृत करने का काम करते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग एक बहुत ही बहुमुखी क्षेत्र है। ईसीई

इंजीनियरों को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार बुनियादी ढांचे को विकसित करने वाले उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में रोजगार मिलता है। कुछ शीर्ष क्षेत्र हैं दूरसंचार, एयरोस्पेस, डिफेंस, मोटर व्हीकल, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली व्यवस्था और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग। भारत में एक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियर के लिए औसत शुरुआती वेतन 4 लाख प्रति वर्ष है। EE की तरह, वेतन स्थान, अनुभव के वर्षों, कौशल और नियोक्ता के आधार पर अलग-अलग होता है।

EE और ECE में कौन सी इंजीनियरिंग ब्रांच बेहतर है?

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (EE) और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ECE) दोनों शाखाएं समान रूप से अच्छी हैं। लेकिन, यह सब व्यक्ति की रुचि के क्षेत्र पर निर्भर करता है। मुझे लगता है कि छात्र को भविष्य के लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए। एक बार जब वह इसके बारे में सुनिश्चित हो जाता है, तो वह अपनी पसंद की स्ट्रीम चुन सकता है।

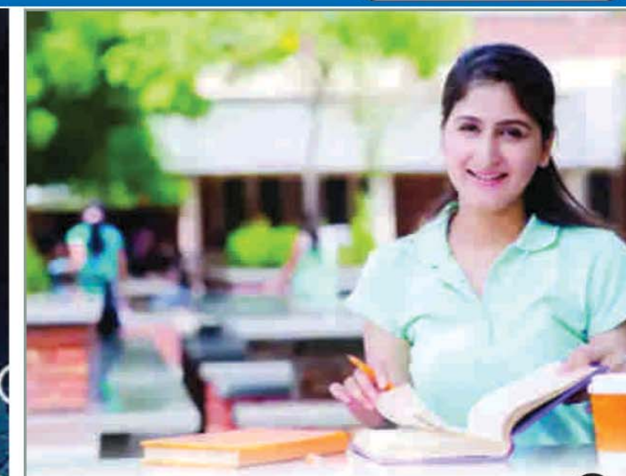

जल प्रबंधन की फील्ड में बनाएं शानदार करियर

अगर आप लीक से हटकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए यह आर्टिकल जरूरी साबित हो सकता है। क्योंकि हम यहां पर आपको पानी से जुड़ी करियर के बारे में बता रहे हैं। आप भी एक वॉटर डिप्लोमैट के रूप में बढ़िया करियर बना सकते हैं। अगर आप इस फील्ड में करियर बनाते हैं तो आपको बढ़िया सैलरी भी मिलेगी।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। ये समस्याएं एक राज्य या फिर एक देश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वैश्विक हैं। ऐसे में जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। अगर आप भी इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो आपके भविष्य उज्जवल हो सकता है। क्योंकि इस फील्ड में अच्छी नौकरी के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं कि इस फील्ड में करियर बनाकर आप कितनी सैलरी पा सकते हैं। वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट में वेतन अच्छा होता है। हालांकि, यह कई बातों जैसे - अनुभव, शिक्षा, कार्यक्षेत्र और जिस संस्था में आप काम करते हैं, उस पर निर्भर करता है।

शुरुआती पद

शोध सहायक या जूनियर नीति विश्लेषक जैसे शुरुआती पदों पर सालाना वेतन 40,000 से 60,000 अमेरिकी डॉलर के बीच हो सकता है।

अनुभवी पेशेवर

अनुभवी पेशेवरों के लिए जिनके पास कई सालों का अनुभव और विशेष कौशल है। उन्हें वेतन 60,000 से 1,00,000 अमेरिकी डॉलर या उससे भी ज्यादा मिल सकता है।

वरिष्ठ पद

निदेशक या वरिष्ठ नीति सलाहकार जैसे वरिष्ठ पदों पर सालाना वेतन 1,00,000 से 1,50,000 अमेरिकी डॉलर के बीच होता है। सबसे ज्यादा वेतन अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं, सरकारी एजेंसियों या परामर्श फर्मों में मिलता है। इसके अलावा, जिन लोगों के पास मास्टर्स या पीएच.डी. जैसी उच्च शिक्षा है, उनके उच्च वेतन पाने और कैरियर में तेजी से तरक्की करने की संभावना अधिक होती है।

जल प्रबंधन में प्रमाणन कार्यक्रम

इसी दिशा में काम करते हुए जल प्रबंधन संस्थान भारतीय और विदेशी नागरिकों के लिए प्रमाणित जल लेखाकार /विशेषज्ञ बनने के लिए एक प्रमाणन कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इस कार्यक्रम में कई तरह के कोर्सेज पर ट्रेनिंग दिया जाएगा।

रूस की यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई के लिए उपलब्ध हैं ये स्कॉलरशिप्स

भारतीय छात्रों के लिए रूस में पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप के कई अवसर मौजूद हैं इसकी जानकारी हम आपको यहां दे रहे हैं। हर साल रूसी सरकार विदेशी छात्रों के लिए राज्य से आर्थिक सहायता प्राप्त सीट्स ऑफर करती है।

रूस में अधिकतर विश्वविद्यालय सरकारी सहायता प्राप्त स्कॉलरशिप देती हैं और एकसमान आवेदन प्रक्रिया अपनाती हैं। कोई भी विदेशी छात्र रूस में यूनिफॉर्म स्टेट एग्जामिनेशन या एंट्रेंस एग्जाम पास करने के बाद स्कॉलरशिप के लिए उसी तरह आवेदन कर सकते हैं जिस तरह रूसी छात्र करते हैं। हर साल रूसी सरकार विदेशी छात्रों के लिए राज्य से आर्थिक सहायता प्राप्त सीट्स ऑफर करती है। 2022 में 15 हजार इस तरह की सीट्स दी गई थीं।

स्कॉलरशिप अमाउंट

सरकार से प्राप्त होने वाली स्कॉलरशिप में पूरे कोर्स की ट्यूशन फीस, मेंटनेंस अलाउंस और डोरमेटरी अलाउंस शामिल होता है। जो छात्र इन स्कॉलरशिप को प्राप्त करना चाहते हैं वो भारत में ऑथराइस्ड व्यक्ति से संपर्क कर सकते हैं और वहां उपलब्ध स्कॉलरशिप और कोर्स के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। पढ़ाई के लिए छात्र एक बार में 6 यूनिवर्सिटिज को चुन सकता है। लेकिन एक फेडरल क्षेत्र में 3 से ज्यादा नहीं चुन सकते जबकि मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग में दो से ज्यादा नहीं चुन सकते हैं। अपनी पसंद के अनुसार अपनी चॉइस भरें और इसके बाद अन्य को भरें और चयन प्रक्रिया में बुलावे का इंतजार करें। देश के आधार पर ऑपरेटर इंटरव्यू, टेस्ट और परीक्षा का शेड्यूल जारी कर सकते हैं इसकी जानकारी उनकी वेबसाइट या आपको ईमेल के जरिए मिल सकती है। जिन छात्रों को डिग्री के स्तर पर रूसी भाषा की जानकारी नहीं है उन्हें प्री पेरेटरी डिपार्टमेंट में एनरोल किया जाता है। उन्हें सामान्य शिक्षा के साथ एक साथ रूसी भाषा की पढ़ाई भी करनी पड़ती है।

- अगर आप कैंडिडेट्स की सूची में शामिल हो गए हैं तो अपने पास अतिरिक्त डॉक्यूमेंट्स तैयार रखें
- एमबीबीएस डॉक्टर का सर्टिफिकेट तैयार करवाना होगा जिसमें बताया गया होगा कि ऐसा कोई मेडिकल कारण नहीं जिसकी वजह से आपको रूसी यूनिवर्सिटिज में न चुना जाए। इसमें एचआईवी टेस्ट भी करवाना होगा।
- डॉक्यूमेंट्स की कॉपी (रूसी भाषा में ट्रांसलेटिड), ऑनलाइन इन्हे सबमिट करें और हार्ड कॉपी ऑपरेटर के पास जमा करें।
- अब यूनिवर्सिटी में अपने कन्फर्मेशन का इंतजार करें।

अनुराग कश्यप इस फिल्म से कन्नड़ सिनेमा में कर रहे एक्टिंग डेब्यू

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने हाल ही खुलासा किया था कि वह मुंबई छोड़ चुके हैं। उन्होंने बॉलीवुड को टॉक्सिक इंडस्ट्री बताया था। इसी बीच उनके कन्नड़ सिनेमा में वह डेब्यू कर रहे हैं। उन्होंने खुद इसकी पुष्टि की है, और फिल्म का फर्स्ट लुक भी शेयर किया है। बताया जा रहा है कि अनुराग कश्यप बतौर एक्टर कन्नड़ फिल्मों में एंट्री कर रहे हैं। इससे पहले वह तमिल, तेलुगू और मलयालम फिल्मों में काम कर चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अनुराग कश्यप डायरेक्टर सुजय शास्त्री की फिल्म से कन्नड़ में डेब्यू करेंगे। फिलहाल इस फिल्म का नाम मूवी 8 रखा गया है। अनुराग अप्रैल से शूटिंग शुरू करेंगे।

फिल्म और अपने रोल के बारे में बोले अनुराग कश्यप

इस फिल्म के बारे में अनुराग कश्यप ने एक इवेंट में कहा, यह एक फुटबॉल ड्रामा है। जब निर्देशक सुजय शास्त्री ने कहानी सुनाई, जो बहुत ही भावनात्मक थी, तो यह मेरे दिल को छू गई। हम सभी जीवन के एक ऐसे दौर से गुजरते हैं जहां हम सब कुछ खो देते हैं, फिर हमें मुक्ति की तलाश करनी होती है, जो दूसरे लोगों के जरिए आती है।

खुश हूं किसी ने मुझे साइकोपैथ...

अनुराग कश्यप ने आगे कहा, यह फिल्म जिंदगी द्वारा आपको दूसरा मौका देने के बारे में है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए एक्साइटेड हूं। यह एक ऐसी भूमिका है, जो मेरे लिए नई है और मुझे बहुत खुशी है कि कोई मुझे साइकोपैथ किरदारों से परे देख रहा है।

यह बोले डायरेक्टर सुजय शास्त्री

वहीं डायरेक्टर सुजय शास्त्री ने कहा, अनुराग कश्यप ने कहा कि वह कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के लिए एक मजबूत स्क्रिप्ट का इंतजार कर रहे थे। हम उन्हें अपने साथ लेकर एक्साइटेड हैं।

बॉलीवुड को लेकर यह बोले थे अनुराग कश्यप

वहीं, अनुराग कश्यप ने हाल ही खुलासा किया था कि वह मुंबई छोड़कर दूसरे शहर शिफ्ट हो चुके हैं। हालांकि, उन्होंने शहर का नाम रिवील नहीं किया था, पर इतना जरूर कहा था कि बॉलीवुड अब जहरीली इंडस्ट्री बन चुकी है, जहां हर कोई 800 करोड़ और 1000 करोड़ की फिल्म बनाने के पीछे भाग रहा है।

मानुषी छिल्लर ने बताया क्यों व्यवहारिकता शोबिज़ में मायने रखती है

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर की मेडिकल फील्ड से फिल्मों तक की यात्रा प्रेरणादायक रही है। वह मानती हैं कि ग्लैमर की दुनिया एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है, जिसमें सच्चा जुनून और प्रतिबद्धता आवश्यक है। आपको इसे वास्तव में पूरे मन से चाहना होगा। मनोरंजन उद्योग में केवल प्रतिभा ही काफी नहीं होती, बल्कि इसके लिए अटूट समर्पण, धैर्य और मानसिक मजबूती भी जरूरी होती है। बॉलीवुड में बिना किसी फिल्मी कनेक्शन के कदम रखने वाली मानुषी नए कलाकारों को करियर के फैसले सोच-समझकर लेने की सलाह देती हैं। वह जल्दबाजी में कोई भी बड़ा फैसला लेने, जैसे कि बिना किसी योजना के नई जगह शिफ्ट होने या शून्य से शुरुआत करने से बचने की सलाह देती हैं। इसके बजाय, वह बैकअप प्लान रखने पर जोर देती हैं, खासकर उन लोगों के लिए जो मनोरंजन उद्योग में नए हैं। मानुषी के अनुसार, फिल्मों में सफलता का सफर अनिश्चितताओं से भरा होता है और यहां प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी होती है। वह मानती हैं कि प्रतिभा और कड़ी मेहनत जितनी जरूरी है, उतनी ही महत्वपूर्ण वित्तीय और मानसिक स्थिरता भी होती है। यह स्थिरता कलाकारों को हड़बड़ी में जोखिम उठाने के बजाय सोच-समझकर फैसले लेने में मदद करती है। मैं कभी भी यह सलाह नहीं दूंगी कि बिना किसी योजना के सबकुछ छोड़कर फिल्म इंडस्ट्री में आ जाएं। अगर आप इस इंडस्ट्री से नहीं हैं और बिल्कुल नए हैं, तो मेरा सुझाव होगा कि पहले अपनी शिक्षा पूरी करें या अपने लिए एक मजबूत आधार तैयार करें, क्योंकि यह सफर आसान नहीं होने वाला है, मानुषी कहती हैं। मानुषी छिल्लर का मानना है कि तैयारी और निरंतरता उतनी ही महत्वपूर्ण हैं, जितना कि जुनून। सपनों का पीछा करना जरूरी है, लेकिन एक मजबूत नींव होने से शोबिज़ की चुनौतियों का सामना करना आसान हो जाता है। उन्होंने हमेशा कड़ी मेहनत से अपनी लगन साबित की है और अब वह राजकुमार राव के साथ मालिक और जॉन अब्राहम के साथ तेहरान जैसी फिल्मों में नजर आने के लिए तैयार हैं।

रोहित शेट्टी के शो में मल्लिका शेरावत की एंट्री? नए सीजन में खतरों से खेलेंगी एक्ट्रेस!

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत को साल 2004 में रिलीज हुई मर्डर फिल्म से रातोंरात शोहरत मिली थी। इसमें वो इमरान हाशमी के साथ नजर आई थीं। इंडस्ट्री में लंबे समय तक काम किया तो ब्रेक भी लिया। उन्होंने 2024 में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से कमबैक किया। अब कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि वो स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी 15 में नजर आ सकती हैं, जिसे रोहित शेट्टी होस्ट करते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मल्लिका को पहले भी खतरों के खिलाड़ी 15 का ऑफर दिया गया था, लेकिन पहले के कुछ कमिटमेंट के कारण वो इसमें हिस्सा नहीं ले पाई थीं। हालांकि, इस साल उनकी तरफ से चीजें पॉजिटिव दिख रही हैं। हालांकि, अभी तक ऑफिशियली ऐलान नहीं हुआ है। मल्लिका के अलावा एल्विश यादव, अविनाश मिश्रा, ओरी, दिग्विजय सिंह राठी, ईशा सिंह, चुम दरांग, सिद्धार्थ निगम, बसीर अली, गुल्की जोशी और भाविका शर्मा सहित कई अन्य हस्तियां शामिल हो सकती हैं। मोहसिन खान से शो का हिस्सा बनने के लिए संपर्क किया गया है।

कब शुरू होगा खतरों के खिलाड़ी 15

रिपोर्ट्स के मुताबिक, खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग मई 2025 में शुरू होने वाली है और इस साल जून या जुलाई के आसपास इसका प्रीमियर होने की उम्मीद है। आप इस शो को कलर्स चैनल और जियो सिनेमा ऐप पर देख सकते हैं। बीते सीजन की बात करें तो इसे करण वीर मेहरा ने जीता था।

इन फिल्मों में नजर आ चुकी हैं मल्लिका

मल्लिका की बात करें तो उन्होंने प्यार के साइड इफेक्ट्स, वेलकम, हिस्स और डबल धमाल जैसी फिल्मों में काम किया है।

नोरा फतेही ने पीआर एजेंसी पर लगाए गंभीर आरोप

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री नोरा फतेही ने कहा कि लोग उन्हें घमंडी कहते हैं। वो कहती हैं उनके नाम का इस्तेमाल करके लोग अपना प्रचार कर रहे हैं, यह उन्हें पसंद नहीं। साथ ही उन्होंने कहा कि लोग पीआर एंजेसियों को उनका नाम का इस्तेमाल करके प्रचार करने के पैसे देते हैं। आइए जानते हैं कि एक्ट्रेस ने क्या कहा।

नोरा को जज किया जाता है

हाल ही में अभिनेत्री नोरा फतेही ने कहा कि लोग उन्हें घमंडी समझते हैं। उन्होंने कहा कि जब वह गानों के अलावा फिल्मों में अभिनय करना चाहती हैं, तो उन्हें जज किया जाता है। एक्ट्रेस का कहना है कि सभी को गाने और अभिनय करने की छूट होनी चाहिए और सबकुछ सबके लिए बराबर रखना चाहिए। वह कहती हैं कि आजकल लड़कियां आत्मविश्वास से भरी हुई आ रही हैं और वह कुछ शानदार करने की कोशिश कर रही हैं, जो उन्हें पसंद आता है।

एक्टर्स करते हैं उनके नाम का प्रयोग

एक्ट्रेस ने बातचीत में बताया कि लोग उनका नाम अपनी मार्केटिंग के लिए करने लगे हैं, जो उन्हें पसंद नहीं है। वह बताती हैं कि जब लोगों को किसी भी गाने का प्रचार प्रसार करना होता है, तो वे नोरा का नाम प्रयोग करते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि जब कोई नया गाना रिलीज होता है, तो वे कहते हैं कि नोरा का तो करियर खत्म हो चुका है और ऐसे 100 नोरा को वह नाश्ते में खा सकते हैं। वह कहती हैं इन सबके पीछे पीआर एजेंसियों का काम होता है, जिसके लिए अच्छा-खासा पैसा खर्च किया जाता है। उन्होंने कहा कि वह अपनी तुलना किसी से नहीं करेंगी।

प्रभास की फिल्म द राजा साब की रिलीज में होगी और देरी?

साउथ सुपरस्टार प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म द राजा साब को लेकर फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पहले यह फिल्म 10 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी, लेकिन प्रोडक्शन में देरी के चलते इसे टाल दिया गया। अब इस फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। 123 तेलुगु डॉट कॉम की खबर के मुताबिक फिल्म की शूटिंग में और देरी होने वाली है, क्योंकि चार गाने और क्लाइमेक्स सीन अभी बाकी हैं। बताया जा रहा है कि प्रभास इस समय अपनी दूसरी फिल्म पर ध्यान दे रहे हैं, जिसका निर्देशन हनु राघवपुडी कर रहे हैं।

बेस्ट डेब्यू निर्देशक का पुरस्कार जीतकर बोले कुणाल खेमू

अभिनेता-फिल्म निर्माता कुणाल खेमू को आईफा के 25वें सीजन में 'मडगांव एक्सप्रेस' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशन डेब्यू का पुरस्कार मिला। अभिनेता ने कहा कि यह पुरस्कार केवल उनका नहीं बल्कि उन सभी लोगों का है, जिन्होंने उन पर विश्वास किया और उत्साह बढ़ाया।

सोशल मीडिया पर अक्सर बेहतरीन पोस्ट शेयर करने वाले अभिनेता कुणाल ने इंस्टाग्राम पर पुरस्कार के साथ कई तस्वीरें शेयर कीं। पोस्ट के साथ अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, आइला, आइफा! मैं अभी भी डेब्यू कर रहा हूं। मडगांव एक्सप्रेस के लिए मिले सर्वश्रेष्ठ निर्देशन डेब्यू के लिए आईफा का बहुत-बहुत धन्यवाद। यह पुरस्कार उन सभी लोगों के लिए है, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मेरा उत्साह बढ़ाया। फिल्म को इतना प्यार देने के लिए आप सभी का धन्यवाद।

उन्होंने टीम का धन्यवाद देते हुए आगे लिखा, स्क्रिप्ट राइटर और निर्देशक के तौर पर मुझ पर भरोसा करने और मेरे विजन का समर्थन करने के लिए पूरी टीम का धन्यवाद। फिल्म के हर एक कलाकार का शुक्रिया। आप लोग अविश्वसनीय हैं और आपने अपने-अपने किरदारों को बेहतरीन तरीके से निभाया है। मेरे सभी तकनीशियनों ने मुझ पर भरोसा किया और मेरे विजन को स्क्रीन पर निभाने में मेरी मदद की। खेमू ने अपने परिवार को चीयरलीडर और सपोर्ट सिस्टम बनने के लिए धन्यवाद दिया। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया और यूट्यूब पर सभी क्रिएटर्स को फिल्म की सराहना करने के लिए धन्यवाद दिया। खेमू ने फिल्म को कवर करने और इसे प्यार और सराहना देने के लिए मीडिया का भी आभार जताया।

उन्होंने आगे लिखा, मैं आप द्वारा दिए गए प्रतिक्रियाओं और रचनात्मक आलोचनाओं को भी स्वीकार करता हूं और भविष्य में और अधिक मेहनत करने और बेहतर करने का वादा करता हूं। फिल्म को प्यार के लिए दर्शकों का धन्यवाद जो फिल्मों और फिल्म निर्माताओं को खास बनाता है। कुणाल की भाभी और अभिनेत्री करीना कपूर खान ने उन्हें बधाई देते हुए लिखा, मुबारक हो...आप अभिनेता भी कमाल हैं।'मडगांव एक्सप्रेस' साल 2024 में रिलीज हुई थी।

ओटीटी ज्यादातर मोबाइल यूजर्स के लिए है, सीनियर सिटीजन आज भी टीवी के दर्शक हैं

छोटे पर्दे से बड़ी पहचान बनाने के वाले ऐक्टर सुमित राघवन को कोई साराभाई vs के डॉक्टर साहिल साराभाई के नाम से पहचानता है तो कोई उन्हें वागले की दुनिया के राजेश वागले के तौर पर पसंद करता है। इस इंटरव्यू में उन्होंने हमसे अपने शो वागले की दुनिया, टीवी इंडस्ट्री और ओटीटी को लेकर बात की -

आजकल ओटीटी का दौर है, आपको क्या लगता है कि ओटीटी ने टीवी के दर्शकों को किस तरह से प्रभावित किया है?

मेरे ख्याल से ओटीटी ज्यादातर मोबाइल यूजर्स के लिए है। नई जनरेशन या 40-45 की उम्र के लोगों के लिए है। लेकिन जो सीनियर सिटीजन हैं, वो आज भी टीवी के दर्शक हैं, वो टीवी देखना पसंद करते हैं। आज भी टीवी के रिमोट की घर में बहुत अहमियत है।

जो शोज सालों से टीवी पर आ रहे हैं, उसमें अपने किरदार को फ्रेश बनाए रखना, कितना चुनौती भरा काम होता है?

इसमें हम राइटर्स पर बहुत निर्भर करते हैं। मुझे लगता है कि हमें भी चौकन्ने रहना बहुत जरूरी है। इसलिए हम कहानियां भी ढूंढ-ढूंढ कर ला रहे हैं। इसमें हम देखते हैं कि मेरा जो किरदार है वो कुछ अलग करे या अलग तरह के डायलॉग और सिचुएशन हो। ये बहुत मुश्किल होता है कि 1200 एपिसोड होने के बाद अलग कहानी और सिचुएशन ढूंढकर हम लाएं। वैसे देखा जाए तो पूरी दुनिया में 7 ही सिचुएशंस हैं, उन्हीं को घुमा-फिरा कर हमें पेश करना पड़ रहा है। ऐसे में हमें एक ऐक्टर के तौर पर फोकस रखना पड़ता है। आप महीने के 27-28 दिन शूट करते हैं। तो ऐसा भी होता है कि आप थक गए हों या तबीयत ठीक नहीं है, लेकिन आपको इसके बावजूद काम करना होता है। आप दर्शक से ये नहीं कह सकते कि मैं थक गया था इसलिए अच्छा नहीं कर पाया। ऑडियंस कहेगी आप घर पर बैठ जाइए। वो आपसे बहुत उम्मीदें रखती है। ऐसे में ये जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि आपकी ऑडियंस की उम्मीदों पर आप खरे उतरें।

जिस तरह से ओटीटी घर-घर तक पहुंच बना रहा है, आपको कभी ये डर नहीं रहता कि वो दौर कभी भी आ सकता है, जब चीजें तेजी से बदलेंगी और टीवी के दर्शक कम हो जाएंगे। इस बारे में आप कभी सोचते हैं?

जब तक डिमांड रहता है, तब तक सप्लाई रहती है। इसी वजह से इतनी तादाद में टीवी शो बन रहे हैं। नए शो बन रहे हैं तो कुछ बंद भी हुए हैं। ऐसा तो नहीं हो सकता कि टीवी इंडस्ट्री बंद होने वाली है। बहुत आक्रमण हुए टीवी पर लेकिन टेलीविजन बंद नहीं होगा, ऐसा मुझे लगता है।

सुनने में आया है कि आपके शो वागले की दुनिया में आपके किरदार को कुछ शक्तियां मिलने वाली हैं, जिससे आपको पहले से ही चीजों को पता चल जाएगा?

ये शक्ति नहीं है। ये कभी-कभी हमारे साथ भी होता है कि कोई घटना हम देखते हैं, तो हमें लगता है कि वो सिचुएशन हमने पहले भी कहीं देखी है। तो इसी को थोड़ा अंडरलाइन करते हुए, इसी को थोड़ा और बढ़ा दिया है। एक किसी शक्ति की मौजूदगी दिखाई गई है। फिर आप उसे भगवान कह सकते हैं या कुछ और भी कह सकते हैं। कोई शक्ति है, जो आपके साथ है, जो कुछ घटनाओं के बारे में आगाह करती है। ये कोई सुपरहीरो वाला शो नहीं है, वाघले की दुनिया ही है। हमारे शो का पांचवां साल शुरू हो चुका है, 1200 एपिसोड पूरे कर चुके हैं। तो राइटर्स और हम ऐक्टर्स कुछ अलग करने के लिए कुछ ना कुछ ढूंढते रहते हैं। देखते हैं हम किस तरह से आगे बढ़ते हैं। लेकिन ये कोई सुपरहीरो वाला एंगल नहीं है।

13 मार्च को अग्रवाल समाज नाचाराम मल्लापुर शाखा द्वारा होलीका दहन आयोजित

हैदराबाद (एजन्सी),

13 मार्च को अग्रवाल समाज नाचाराम मल्लापुर शाखा की ओर से होलीका दहन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। हर वर्ष की तरह एचएमटी नगर महाकाली मंदिर (वैल्यू ज़ोन के सामने) आयोजित कार्यक्रम में ठंडी होली का पूजन प्रातः 9:00 बजे से प्रारंभ होगा। विशेष जानकारी: भद्रा का साया: सुबह 10:35 बजे से रात 11:31 बजे तक रहेगा। होली पूजन एवं दहन का शुभ मुहूर्त: रात 11:32 बजे से। सभी सपरिवार इस पावन अवसर पर पधारकर आयोजन को सफल बनाएं।

दौसा में आयोजित होगी स्काउट-गाइड जिला स्तरीय मिनी जंबूरी

दौसा। दौसा में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय के तत्वावधान में 5 दिवसीय जिला स्तरीय स्काउट-गाइड मिनी जंबूरी का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में एडीएम मनमोहन मीना की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई।

आयोजन की तिथियां = 27 से 31 मार्च तक यह भव्य आयोजन किया जाएगा।

प्रशासन की तैयारियां = एडीएम मनमोहन मीना ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि जिला जंबूरी में आए प्रतिभागियों को किसी भी तरह की परेशानी न हो और वे यहां से अच्छी यादें लेकर जाएं।

डीएसपी रवि शर्मा ने बालिकाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही।

नगर परिषद आयुक्त कमलेश कुमार मीना ने चल शौचालय और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी इंदिरा गुप्ता को पंजीकरण की जिम्मेदारी दी गई, जिससे अधिक से अधिक स्काउट-गाइड इस आयोजन में भाग ले सकें।

ये होंगे प्रमुख कार्यक्रम

मार्च पास्ट, लोकनृत्य, व्यायाम प्रदर्शन, हस्तकला, फूड प्लाजा, झांकी प्रदर्शन

कलर पार्टी, आपदा प्रबंधन प्रदर्शन, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, पेट्रोल इन काउंसिल, कैंपक्राफ्ट

चित्रकला, निबंध लेखन, स्किल-ओ-रामा की विभिन्न प्रतियोगिताएं

एडवेंचर बेस= मंकी ब्रिज, टायर टनल, गेट, चिमनी, लेडर ब्रिज आदि साहसिक गतिविधियां

जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर प्रदर्शनी

स्काउट सचिव श्रीकांत शर्मा ने बताया कि जंबूरी के दौरान जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

युवाओं को सतत विकास के 17 लक्ष्यों से जोड़ा जाएगा और पृथ्वी को बचाने के लिए विभिन्न परियोजनाओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

रोडवेज चला रहा अतिरिक्त बसें, होली परघर लौटने वालों से बस-ट्रेनों में बढ़ी भीड़

जयपुर। राजस्थान रोडवेज की बसों में होली के त्यौहार पर गांव जाने वालों लोगों की भीड़ दिखाई देने लगी हैं। सिंधी कैंप बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ दिखाई दी। इसे देखते हुए रोडवेज प्रशासन ने अतिरिक्त बसों का संचालन किया हैं। रेलवे प्रशासन भी यात्रियों की सुविधा के लिए करीब दो दर्जन से अधिक स्पेशल ट्रेनों का संचालन कर रहा हैं। होली के त्यौहार पर अधिकतर लोग अपने गांव के लिए पलायन करते हैं। सिंधी कैंप, नारायण सिंह सर्किल, ट्रांसपोर्ट नगर, दुर्गापुरा, 200 फीट अजमेर रोड, चौंमू पुलिया सहित अन्य बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ दिखाई दी।

अधिकतर भीड़ आगरा, मथुरा, अलीगढ़ और यूपी के अन्य रूटों पर जाने वाले यात्रियों की है। खाटूश्याम जी जाने वाले यात्रियों की भी अधिक भीड़ रही। इसे देखते हुए रोडवेज चेयरमैन व एमडी ने सभी मुख्य प्रबंधकों को अतिरिक्त बसें चलाने के निर्देश दिए हैं। जिससे यात्रियों को सुविधा मिल सकें। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकार शशि किरण के अनुसार होली के त्यौहार पर अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा हैं।

हफ्ता वसूली के आरोपों में घिरी मंडी सचिव निलंबित

दौसा। व्यापारियों को धमकाने और हफता वसूली के आरोपों से घिरी कृषि उपज मंडी समिति, मंडावरी की पूर्व सचिव संतोष कुमारी मीणा को निलंबित कर दिया गया है।

निदेशक कृषि विपणन राजेश कुमार चौहान ने बताया कि मीणा के खिलाफ व्यापारियों की शिकायतों के आधार पर जांच कराई गई थी। जयपुर संभाग के क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक की जांच रिपोर्ट में सामने आया कि संतोष कुमारी मीणा ने दौसा मंडी प्रांगण में एक व्यापारी को जबरन प्लेटफार्म खाली करने के लिए धमकाया था। इस संबंध में एक ऑडियो-वीडियो प्रमाण भी मिला, जिसमें मीणा स्पष्ट रूप से दिख और सुनाई दीं। इसके अलावा, अन्य कर्मचारियों से कराई गई पहचान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मीणा पर अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर पद का दुरुपयोग करने, व्यापारियों को धमकाने और अपशब्द कहने के आरोप प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाए गए।

कलेक्टर राजर्षि शाह.ने किया बंगारीगुड़ा मॉडल स्कूल का औचक निरीक्षण

आदिलाबाद (एजन्सी),

जिला कलेक्टर ने बुधवार को बंगारीगुड़ा मॉडल स्कूल का औचक निरीक्षण किया तथा मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, मेनू के अनुसार खाना बनाने, भंडारण आदि का निरीक्षण किया। विद्यार्थियों को अगले सप्ताह होने वाली 10वीं कक्षा की परीक्षाएं शांतिपूर्वक और बिना किसी दबाव के देनी चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि छात्र अच्छी तरह से पढ़ाई कर रहे हैं, अच्छी तरह से परीक्षा देंगे और अच्छे अंक प्राप्त करेंगे।

प्रत्येक कक्षा का निरीक्षण करने के बाद, वह दसवीं कक्षा की कक्षा में गए और विद्यार्थियों से बात की, तथा उन्हें तनाव रहित होकर शांतिपूर्वक अध्ययन करने, अपनी दिनचर्या के अंग के रूप में सुबह और शाम को समीक्षा करने, विशेष कक्षाओं में भाग लेने तथा सप्ताह भर में अध्ययन किए जाने वाले विषयों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हमें एकरस ढंग से नहीं पढ़ना चाहिए, बल्कि बीच-बीच में अंतराल रखकर पढ़ना चाहिए। छात्रों को प्रत्येक विषय को अच्छी तरह से पढ़ाया जाता है, उन्हें समझने योग्य तरीके से समझाया जाता है।

उन्होंने पूछा कि क्या कक्षाएँ और अन्य सुविधाएँ छात्रों की संख्या के अनुसार उपलब्ध हैं। उन्होंने रसोईघर और भंडार कक्षों का दौरा किया तथा चावल के स्टॉक, सब्जियों की गुणवत्ता और सामान के स्टॉक का निरीक्षण किया। आयोजकों को खाना पकाने के तेल, दूध, फल और अंडों की गुणवत्ता की जांच करने तथा किसी भी परिस्थिति में एक्सपायर उत्पादों का उपयोग न करने की सलाह दी गई। यह सलाह दी जाती है कि यदि स्कूल को घटिया चावल या अन्य सामान आवंटित किया जाता है तो मंडल प्राधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराएं।

सुझाव दिया गया कि स्कूल परिसर एवं आस-पास साफ-सफाई रखी जाए, भोजन में संदूषण को रोकने के लिए सावधानी बरती जाए, मेनू की जांच की जाए तथा विद्यार्थियों को मेनू के अनुसार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने कहा कि गर्मियों को ध्यान में रखते हुए पूरी सावधानी बरती जाए। प्रधानाचार्य राजशेखर, डीएमएचओ, शिक्षक, आरबीएसके टीम और अन्य ने भाग लिया।

आज ही होगा होलिका दहन

आदिलाबाद (एजन्सी),

श्री श्री श्री योगानंद सरस्वती ने एक मीडिया सम्मेलन में हिंदू समुदाय को संबोधित किया, जो इस दुविधा में था कि होली कब मनाई जाए।

जिला केंद्र में श्री गोपालकृष्ण मठ में सनातन हिंदू उत्सव समिति द्वारा आयोजित एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए, गोपालकृष्ण मठ के प्रमुख, श्री श्री श्री योगानंद सरस्वती जी ने कहा कि चूंकि पूर्णिमा गुरुवार को है, इसलिए कामदहन को रात 12 बजे से पहले जला दिया जाना चाहिए और रंगों का उपयोग शुक्रवार को किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि होली वैज्ञानिक रूप से मनाई जानी चाहिए, ऐसे रंगों का उपयोग करना चाहिए जो प्राकृतिक रूप से उपलब्ध हों, और प्राकृतिक रंगों का उपयोग करें जिसमें कोई रसायन न हो। इस अवसर पर, पुराणों में घटित घटना को सुनाया गया। हिरण्य कश्यप ने अपनी बहन होलिका की खुद के जलने से मृत्यु के बारे में जानकर पानी और अशुद्ध रंगों वाली कीचड़ से खेला, लेकिन उसका पुत्र, भक्त प्रह्लाद धार्मिक, आध्यात्मिक था, उन्होंने अपने मित्रों के साथ भक्तिभाव से होली मनाई और उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को प्रह्लाद की तरह होली मनानी चाहिए। बैठक में समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार, महासचिव गेदम माधव, सदस्य कंडुला रविंदर, रौला वेणु, उराडे सुभाष, नरसिम्लु और अन्य उपस्थित थे।

हैदराबाद (एजन्सी),फाल्गुन एकादशी के उपलक्ष में गगन गोयल, यश अग्रवाल, संदीप अग्रवाल द्वारा मुरली नगर में श्री श्याम बाबा का फाल्गुन महोत्सव का आयोजन किया गया।जिसमें मनोज अग्रवाल, प्रदीप मोर, मोहित गोयल, नमन कनोडिया एवं अन्य भक्तजन उपस्थीत थे।

राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर, हैदराबाद द्वारा नित्य अन्नप्रसाद

हैदराबाद (एजन्सी),

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि के उपलक्ष में राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर, हैदराबाद द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा सुबह 7.01 बजे पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली, पर की जा रही है। सेवा में राधे राधे ग्रुप के सदस्य याोगदान दे रहे है।

"विश्व किडनी दिवस" पर विशेष ...

तस्मात, सावधान रहो...उम्र की सीमा नहीं किडनी की समस्याओं के लिए...यदि लक्षण दिखें तो तुरंत उपचार लें...डॉक्टरों का कहना है कि अगर इसका पता नहीं लगाया गया तो यह खतरनाक हो सकता है...

मेडिकवर के नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. रामचंदर तोर्रम ने विश्व किडनी दिवस पर कहा कि हाल के दिनों में किडनी रोग से पीड़ितों की संख्या बढ़ रही है। किडनी की समस्याएं जो केवल वयस्कों तक सीमित हैं, अब बच्चों और युवाओं को भी परेशान कर रही हैं, चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो। कई लोगों के लिए पैरों में सूजन और लगातार थकान छोटी समस्याएं लगती हैं, लेकिन उनकी गंभीरता क्रोनिक किडनी रोग का संकेत देती है। कई लोगों में मधुमेह के बिना भी कोई प्रारंभिक लक्षण न दिखना और गुर्दे की विफलता होना आम बात है। किडनी रोग एक तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या बन गई है। मधुमेह और उच्च रक्तचाप इस रोग के प्रमुख कारण हैं, जिसके कारण पिछले दशक में हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। इसके अतिरिक्त, अन्य समस्याओं के लिए दवाओं का अधिक उपयोग और निर्जलीकरण से गुर्दे का स्वास्थ्य और भी खराब हो जाता है।

गुर्दे की बीमारियों के कारण...

शराब, धूम्रपान, जलवायु परिवर्तन, उच्च तापमान, दीर्घकालिक मधुमेह और उच्च रक्तचाप भी गुर्दे की बीमारियों में वृद्धि में योगदान दे रहे हैं। जो कर्मचारी धूप में लंबे समय तक काम करते हैं, उनके गुर्दों पर दबाव बढ़ रहा है और उनमें गुर्दे की विफलता विकसित हो रही है। प्रारंभिक अवस्था में लक्षण प्रकट नहीं हो सकते हैं। इसलिए, स्क्रीनिंग परीक्षण अवश्य किया जाना चाहिए। सीरम क्रिएटिनिन, मूत्र प्रोटीन परीक्षण और रक्तचाप की निगरानी जैसे नियमित परीक्षण गुर्दे के स्वास्थ्य का शीघ्र आकलन करने के तरीके हैं। इसके निम्न लिखित लक्षण हैं...

डॉ. रामचंदर तोर्रम, नेफ्रोलॉजिस्ट, मेडिकवर अस्पताल, करीमनगर।

- यदि शरीर के किसी भी हिस्से में सूजन हो तो नेफ्रोटिक सिंड्रोम का संदेह हो सकता है। - यदि नैदानिक परीक्षणों में मूत्र में प्रोटीन की मात्रा रक्त में प्रोटीन की तुलना में अधिक पाई जाती है तो रोग का निदान किया जाता है। - नेफ्रोटिक सिंड्रोम के कारण बुखार, पुरानी खांसी, जुकाम, उनींदापन, पेट दर्द, पैरों में सूजन और चेहरे पर सूजन आ जाती है।

ये हैं सावधानियां...

जीवनशैली में बदलाव करके ही गुर्दे को स्वस्थ बनाए रखना संभव है। अपने आहार में अतिरिक्त तेल, नमक और कच्चे खाद्य पदार्थों का सेवन कम करें तथा अधिक मात्रा में हरी मिर्च, सब्जियां और फल खाएं। सही मात्रा में पानी पीना महत्वपूर्ण है। इससे गुर्दों को साफ करने में मदद मिल सकती है। हर दिन 30 मिनट व्यायाम करें और फिटनेस में सुधार करें। गुर्दे के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए रक्तचाप और रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रण में रखना बहुत महत्वपूर्ण है। अच्छी नींद शरीर और किडनी के लिए भी आवश्यक है। जब तक रोग गंभीर न हो जाए, तब तक लक्षण ध्यान देने योग्य नहीं होते। कई लोग हालत बिगड़ने के बाद इलाज के लिए आते हैं, क्योंकि बीमारी बढ़ने तक लक्षणों का पता नहीं चल पाता। यदि आपको लगातार बुखार, पैरों और चेहरे पर सूजन, तथा मूत्र में प्रोटीन की कमी जैसे लक्षण महसूस होते हैं, तो आपको तुरंत डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए और उपचार करवाना चाहिए। लापरवाही जीवन के लिए ख़तरा बन सकती है। आहार संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करना, पर्याप्त पानी पीना, धूम्रपान और शराब छोड़ना, तथा रक्तचाप और शर्करा के स्तर को नियंत्रण में रखना गुर्दे को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है।

प्रताप नगर पॉलिटेक्निक महिला कॉलेज मामला : प्रिंसिपल मश्कूर अली पर छात्राओं ने लगाए देहशोषण के आरोप, छात्राओं का फूटा गुस्सा

जयपुर। जयपुर के प्रताप नगर स्थित पॉलिटेक्निक महिला कॉलेज में सोमवार को माहौल गरमा गया, जब छात्राओं ने प्रिंसिपल सैयद मश्कूर अली पर गंभीर आरोप लगाते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। छात्राओं का दावा है कि प्रिंसिपल लंबे समय से उनके साथ अभद्रता और देहशोषण कर रहे थे। पहले भी इस मामले में शिकायतें दर्ज कराई गई थीं, जिसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था, लेकिन अब दूसरी बार जांच कराए जाने को लेकर छात्राओं ने नाराजगी जताई है।

छात्राओं का आरोप = धमकी देकर चुप रहने को मजबूर किया

छात्राओं ने बताया कि सैयद मश्कूर अली 2023 में कॉलेज में नियुक्त हुए थे और तभी से उनका व्यवहार अनुचित था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रिंसिपल उन्हें डरा-धमकाकर चुप कराते थे और पुलिस या परिजनों से संपर्क करने पर आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी देते थे। इसी कारण छात्राएं अब तक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने से बच रही थीं।

कैसे फूटा गुस्सा?

जब कॉलेज में जांच के लिए दूसरी कमेटी पहुंची तो छात्राओं ने इसका विरोध किया। उनका कहना था कि पहली जांच में प्रिंसिपल दोषी पाए गए थे, फिर दोबारा जांच की क्या जरूरत थी? विरोध के दौरान कॉलेज प्रशासन ने मुख्य गेट पर ताला लगा दिया और

गार्ड तैनात कर दिए ताकि छात्राएं किसी से संपर्क न कर सकें। इससे नाराज छात्राओं ने ताले तोड़ दिए और बाहर आकर प्रदर्शन किया। छात्राओं ने चेंजिंग रूम में हिडन कैमरे होने की बात कही है।

क्या कहती हैं पीड़ित छात्राएं?

छात्राओं के अनुसार, प्रिंसिपल कॉलेज परिसर में ही लाइब्रेरी के बेसमेंट में ऐसी जगह बैठते थे, जहां सीसीटीवी कवरेज नहीं था। उन्होंने वाट्सएप पर अश्लील मैसेज भेजे और खुद को छात्राओं के पर्सनल ग्रुप में जोड़ लिया था। आरोप यह भी है कि वह प्रभावशाली लोगों से मिलाने के बहाने छात्राओं को अपनी कार में बैठाकर ले जाते थे और चलती गाड़ी में अभद्रता करते थे।

पहली जांच में दोषी पाए गए, लेकिन कार्रवाई कमजोर

3 फरवरी को छात्राओं और स्टाफ ने तकनीकी शिक्षा विभाग में शिकायत दी थी, जिसके बाद एक जांच कमेटी गठित हुई थी। कमेटी ने प्रिंसिपल को दोषी माना और निलंबित कर दिया। लेकिन छात्राओं का कहना है कि उनकी शिकायत मुख्यमंत्री कार्यालय, महिला आयोग और अन्य उच्चाधिकारियों तक भी पहुंचाई गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

पुलिस की जांच जारी

कॉलेज के कार्यवाहक प्रिंसिपल विनोद जांगिड़ ने बताया कि पूर्व प्रिंसिपल के खिलाफ जांच के लिए आई दूसरी कमेटी के विरोध के दौरान पुलिस को बुलाना पड़ा। प्रताप नगर थाने के अधिकारी मनोज बेरवाल के मुताबिक, करीब 20 छात्राओं ने लिखित शिकायत दी है, जिसे सब इंस्पेक्टर रेखा को जांच के लिए सौंपा गया है।

जापानी वाहन निर्माता कंपनी निसान के सीईओ का इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। जापानी कार निर्माता निसान मोटर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) माकोटो उचिदा ने अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। यह कदम कंपनी के खराब वित्तीय नतीजों के बाद उठाया गया है।

कौन लेंगे उचिदा की जगह?

निसान ने मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि इवान एस्पिनोसा, जो फिलहाल कंपनी के चीफ प्लानिंग ऑफिसर हैं, अब उचिदा की जगह नए सीईओ का पद संभालेंगे।

उचिदा कब तक कंपनी से जुड़े रहेंगे?- हालांकि, उचिदा अभी कंपनी के निदेशक पद पर बने रहेंगे और यह स्थिति तब तक रहेगी जब तक निसान की जनरल शेयरहोल्डर्स मीटिंग नहीं हो जाती। उन्होंने हाल ही में यह संकेत भी दिया था कि वह नई लीडरशिप के लिए रास्ता तैयार करना चाहते हैं।

पिता के गिफ्ट का कमाल

अचानक बढ़ी अरबपति महिला की संपत्ति

नईदिल्ली, एजेंसी। कॉर्पोरेट की दुनिया में इन दिनों रोशनी नादर मल्होत्रा खूब चर्चा बटौर रही हैं। रोशनी नादर मल्होत्रा एचसीएल के संस्थापक शिव नाडार (शिव नाडार) की बेटी है और अब उन्हें एचसीएल समूह एक बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। रोशनी नादर मल्होत्रा ने एचसीएल समूह में उत्तराधिकार के एक बड़े कदम के बाद भारत की तीसरी सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में अपनी जगह पक्की कर ली है। फॉर्च्यून इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, रोशनी अब एचसीएल के लिए स्ट्रैटेजिक

फैसले लेने की बागडोर संभालेंगी, जो कि 12 बिलियन डॉलर की ग्लोबल टेक कंपनी है। बता दें कि रोशनी को इसी 8 मार्च, महिला दिवस के दिन एचसीएल कॉर्पोरेशन और वामा सुंदरी इन्वेस्टमेंट्स (वामा दिल्ली) में अपने पिता शिव नादर की 47 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली, जिससे वे भारत की अरबपतियों की रैंकिंग में शामिल हो गईं।

क्या है डिटेल

एचसीएल के संस्थापक अरबपति शिव नादर ने रणनीतिक उत्तराधिकार योजना के तहत एचसीएल कॉर्प और वामा दिल्ली में अपनी 47 प्रतिशत हिस्सेदारी अपनी बेटी रोशनी नादर मल्होत्रा को उपहार में दे दी है। एचसीएल टेक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि हस्तांतरण के बाद रोशनी नियंत्रण हासिल कर लेंगी और वामा दिल्ली और एचसीएल कॉर्प की बहुलांश शेयरधारक बन जाएंगी।

भारत-अमेरिका समझौते से व्यापार दोगुना करने की योजना

अमेरिका ने भारत को रेसिप्रोकल टैरिफ से रखा है बाहर

समझौता भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में पहुंच देगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इसका लक्ष्य दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाना है। यह बातचीत ऐसे समय हो रही है जब दुनिया में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी से हड़कंप मचा हुआ है। उन्होंने भारत पर भी जवाबी शुल्क यानी रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। लेकिन, जिस समझौते पर चर्चा जारी है वह पूरा खेल सेट कर देगा। यह भारत और अमेरिका के बीच कारोबार को दोगुना कर 2030 तक 500 अरब डॉलर पहुंचाने की नींव तैयार करेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि अमेरिका ने भारत को अब तक रेसिप्रोकल टैरिफ से बाहर रखा है। तमाम चेतावनियों के बीच यह दिखाता है कि अमेरिका भारत से किस हद तक उम्मीद कर रहा है।

भारत और अमेरिका के बीच इस समझौते का मकसद दोनों देशों के बाजारों तक पहुंच बढ़ाना है। साथ ही, आयात शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को कम करना भी है। इसके अलावा, सप्लाई चेन इंटीग्रेशन को बेहतर बनाने पर भी फोकस किया जा रहा है। वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में इस बारे में जानकारी दे चुके हैं। उन्होंने कहा, दोनों देश एक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक अमेरिका ने भारत पर कोई रेसिप्रोकल टैरिफ नहीं लगाया है। अमेरिका ने 13 फरवरी को रेसिप्रोकल ट्रेड और टैरिफ पर एक ज्ञापन (मेमोरैंडम) जारी किया था। इसमें वाणिज्य सचिव और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि को ट्रेड पार्टनर्स की ओर से अपनाई गई किसी भी गैर-पारस्परिक व्यापार व्यवस्था से अमेरिका को होने वाले नुकसान की जांच के लिए जरूरी ऐक्शन को कहा गया है। साथ ही, हरेक ट्रेड पार्टनर के लिए प्रस्तावित उपायों के साथ एक रिपोर्ट देने को भी कहा गया है।

पछिले महीने पीएम मोदी गए थे अमेरिका

पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुने से भी ज्यादा बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करने की अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा की थी। साथ ही, 2025 तक एक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर बातचीत करने की भी घोषणा की थी।

प्रसाद के मुताबिक, भारत पारस्परिक रूप से लाभकारी और निष्पक्ष तरीके से द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को बढ़ाने और व्यापक बनाने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा, यह एक सतत प्रक्रिया है और भारतीय निर्यातक व्यापार को विविधतापूर्ण बनाने और नए निर्यात स्थलों की तलाश में लगे हुए हैं। भारत के निर्यात में अमेरिका का कालीनों में 59.11 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक्स में 34.5 प्रतिशत और इंजीनियरिंग सामान में 16.12 प्रतिशत हिस्सा है।

अडानी के हाथ लगा मुंबई में एक और प्रोजेक्ट, लागत 36000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। हाउसिंग प्रोजेक्ट को लेकर गौतम अडानी को एक और खुशखबरी मिली है। अडानी ग्रुप को मुंबई में एक बड़ा हाउसिंग प्रोजेक्ट मिला है। अडानी ग्रुप का यह प्रोजेक्ट गोरेगांव के मोतीलाल नगर में है। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज की रियल एस्टेट शाखा अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत मोतीलाल नगर का रीडेवलपमेंट करेगी। इस प्रोजेक्ट की लागत 36 हजार करोड़ रुपये है। यह मुंबई का सबसे बड़ा हाउसिंग प्रोजेक्ट है।

कितने एरिया में है यह प्रोजेक्ट

मोतीलाल नगर प्रोजेक्ट गोरेगांव (पश्चिम) के उपनगर में 143 एकड़ में फैला है। इसमें तीन अलग-अलग हिस्सों- मोतीलाल नगर प्रथम, द्वितीय और तृतीय का रीडेवलपमेंट शामिल है। माना जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से गोरेगांव की तस्वीर बदल जाएगी।

धारावी प्रोजेक्ट भी है अडानी के पास- मुंबई में अडानी ग्रुप के लिए यह दूसरा बड़ा शहरी पुनर्विकास प्रोजेक्ट है। इससे पहले ग्रुप धारावी स्लम रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट में शामिल था। यह प्रोजेक्ट एशिया के सबसे बड़े स्लमों में से एक को विश्व स्तरीय शहरी केंद्र में बदलने का काम करेगा। इस प्रोजेक्ट पर एमएचएडीए का पूरा कंट्रोल रहेगा। जमीन की मालिक भी एमएचएडीए ही रहेगी। अडानी प्रॉपर्टीज को कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट एजेंसी चुना गया है। अडानी प्रॉपर्टीज डिजाइन, अप्रूवल, निर्माण, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और लोगों को दूसरी जगह बसाने का काम देखेगी।

राजनीति और कारोबार... बिजनस चलाने में आ रही है परेशानी, एलन मस्क ने कही दिल की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला के मालिक एलन मस्क कई कंपनियों को चलाते हैं। वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, स्पेसएक्स, टेस्ला, स्टारलिंक, न्यूरालिंक आदि कंपनियों के मालिक हैं। पिछले साल अमेरिका में हुए चुनाव में उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप को जिताने के लिए काफी मदद की। इसका उन्हें इनाम भी मिला और सरकारी विभाग डीओजीई का प्रमुख बनाया गया। लेकिन अब मस्क को अपना कारोबार चलाने में काफी परेशानी आ रही है। फॉक्स बिजनेस को दिए एक इंटरव्यू में मस्क ने इस बात को स्वीकार किया उन्होंने अपने कई कारोबार चलाने में बहुत मुश्किल हो रही है। यह इंटरव्यू सोमवार को प्रसारित हुआ था। सोमवार को मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयर में 15 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई थी। इस गिरावट के कारण टेस्ला के शेयर की कीमतें 5 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई थीं।

क्यों आ रही मस्क को परेशानी फॉक्स बिजनेस के लैरी कुडलो ने मस्क से पूछा कि वह डीओजीई और राजनीति में समय देते हुए अपने बाकी बिजनेस कैसे मैनेज करते हैं। मस्क अमेरिकी सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी में एक अहम भूमिका निभाते हैं। इस पर मस्क ने जवाब दिया, बहुत मुश्किल से।

मस्क ने आगे कहा, मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मैं यह सब कर रहा हूं। यह अजीब है। उन्होंने बताया कि वो सरकार को और कुशल बनाने, फिजूलखर्ची और धोखाधड़ी कम करने की कोशिश कर रहे हैं और अब तक अच्छी प्रगति हुई है।

जब दूसरे पैसे लगाने से डर रहे हों तो आप लालची बन जाइए: आखिर वॉरेन

मुंबई, एजेंसी। इन दिनों भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त उठा-पटक चल रही है। जब शेयर बाजार में तेज गिरावट आती है, तो निवेशकों में घबराहट फैल जाती है और कई निवेशक तो जल्दबाजी में फैसले लेने लगते हैं। ऐसी स्थिति में घबराकर सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान में योगदान बंद करना या जितने साल का लक्ष्य है, उस समय से पहले अपने निवेश को भुनाना निवेशकों को एक सुरक्षित कदम की तरह लग सकता है। लेकिन वास्तव में यह आपके फइनेंशियल हेल्थ के लिए नुकसानदायक है।

एसआईपी क्यों नहीं बंद करें

बड़ौदा बीएनपी पारिबा एसेट मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ सुरेश सोनी का कहना है कि एसआईपी के पीछे मूल सिद्धांत रूपी कास्ट एवरेजिंग है और इसे बाजार की अस्थिरता के दौरान निवेशकों के हित में काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। वास्तव में, जब आप लोअर मार्केट लेवल पर एसआईपी जारी रखते हैं, तो आप अपने समान मंथली निवेश की राशि से अधिक यूनिट खरीद सकते हैं, क्योंकि नेट एसेट वैल्यू कम होती है। यह रणनीति सुनिश्चित करती है कि जब बाजार में रिकवरी आती है, तो इन बढ़ी हुई यूनिट पर आपको ज्यादा लाभ होता है।

निवेश बनाए रखना क्यों जरूरी है- एक स्टडी से पता चलता है कि पिछले 2 दशक में, ऐसे 13 मौके आए, जब एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स ने 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की। इनमें से 11 मौकों पर, इंडेक्स ने एक साल बाद पॉजिटिव रिटर्न दिया। इसके अलावा, इनमें से 9 मौकों पर रिटर्न दोहरे अंकों में था, जबकि औसत रिटर्न 21 फीसदी रहा। अगर आप 10 फीसदी की गिरावट के बाद भी निवेश के लिए 3 साल तक समय-सीमा बढ़ाते हैं, तो निगेटिव रिटर्न का एक भी उदाहरण नहीं था।

वॉरेन बफे का क्या है कहना

यह डेटा दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे के प्रसिद्ध कोट की याद दिलाता है, जिसमें वह कहते हैं- जब दूसरे डरे हुए हों तो लालची बनो और जब दूसरे लालची हों तो डरो। घबराहट में बेचने से सिर्फ घाटा ही बढ़ता है, जबकि निवेश बनाए रहने से टाइम और कंपाउंडिंग निवेशक के पक्ष में काम करते हैं। जब बाजार में घबराहट होती है तो हम अपनी दौलत नहीं गंवाते हैं, बल्कि जब हम घबराते हैं तो हम अपने पैसों का नुकसान कर लेते हैं। एसआईपी बंद करने से, निवेशक लोअर प्राइस पर यूनिट जमा करने का अवसर खो देता है। इसके अलावा, अक्सर निचले स्तरों पर जल्दबाजी में बाहर निकलने से सिर्फ घाटा ही बढ़ता है। नतीजा यह होता है कि निवेशक बाजार में अगले मूवमेंट से होने वाले संभावित लाभ से चूक जाता है।

एलन मस्क की कंपनी के साथ डील के बाद रॉकेट बना भारती एयरटेल का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में शुरुआती कारोबार में ही 3 प्रतिशत चढ़कर 1717.25 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी डील है। दरअसल, बीते दिन मंगलवार को बाजार बंद होने के बाद एयरटेल ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के साथ डील की जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि उसने भारत में अपने ग्राहकों को स्टारलिंक की हाई स्पीड वाली इंटरनेट सेवाएं देने के लिए अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की उपग्रह कंपनी स्पेसएक्स के साथ साझेदारी की है।

क्या है डिटेल

एयरटेल ने बयान में कहा कि यह समझौता स्पेसएक्स को भारत में स्टारलिंक की उपग्रह संचार-आधारित सेवाओं को बेचने के लिए मंजूरी हासिल करने के अधीन है।

बयान के मुताबिक, यह समझौता एयरटेल और स्पेसएक्स को यह पता लगाने में सक्षम बनाएगा कि स्टारलिंक एयरटेल की पेशकश को किस तरह पूरक बनाने के साथ विस्तारित कर सकती है। इससे भारतीय बाजार में एयरटेल की विशेषज्ञता उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए स्पेसएक्स की सीधी पेशकशों को पूरक बनाने की भी परख होगी।

सोना मजबूत होकर 88790 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा

चांदी 350 रुपये नरम पड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। मजबूत वैश्विक रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने का भाव तीन दिन की गिरावट के बाद मजबूत होकर 88,790 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने सोने के भाव की पुष्टि की है। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 40 रुपए बढ़कर 88,790 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया, जो पिछले बंद भाव 88,750 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 99.5 प्रतिशत वाला सोना भी 40 रुपए बढ़कर 88,390 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया।

चांदी 350 रुपये फिसलकर 98,900 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई- हालांकि, चांदी की कीमत 350 रुपये की गिरावट के साथ 98,900 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। सोमवार को चांदी की कीमत 99,250 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक बाजारों में अप्रैल डिलीवरी के लिए कॉमेक्स सोने का वायदा भाव 19.30 डॉलर या 0.67 प्रतिशत बढ़कर 2,918.70 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस बीच, हाजिर सोना 0.82 प्रतिशत बढ़कर 2,912.43 डॉलर प्रति औंस हो गया।

वैश्विक बाजार में अनिश्चितता बढ़ने से सोने की कीमतों में तेजी- एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट- कमोडिटी व करेंसी, जतीन त्रिवेदी ने कहा, डॉलर इंडेक्स में कमजोरी और अमेरिका में टैरिफ संबंधी बढ़ती चिंताओं के कारण आर्थिक अनिश्चितता का संकेत मिलने से सोने की कीमतों में तेजी आई। सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी मजबूत रही और ईटीएफ प्रवाह ने तेजी की धारणा को समर्थन दिया।

एयरटेल और स्पेसएक्स की हुई साझेदारी, भारत में जल्द लॉन्च होगा सैटेलाइट इंटरनेट

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरटेल ने एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट को भारत में लाने की योजना है, हालांकि यह डील तभी लागू होगी जब स्टारलिंक को भारतीय सरकार से स्टारलिंक सेवाएं बेचने की अनुमति मिलेगी।

एयरटेल और स्टारलिंक की साझेदारी के मुख्य स्टारलिंक उपकरण की बिक्री- एयरटेल, अपने स्टोर्स में स्टारलिंक उपकरण सकता है और इसे बिजनेस ग्राहकों को ऑफर कर सकते है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट साझेदारी ग्रामीण स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट सेवा पहुंचाने का काम करेगी। एयरटेल नेटवर्क का विस्तार- स्टारलिंक, एयरटेल के नेटवर्क को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है, और स्टारलिंक, भारत में एयरटेल के बुनियादी ढांचे का उपयोग कर सकता है। भारती एयरटेल के प्रबंध निदेशक और उपाध्यक्ष गोपाल विट्ठल ने कहा कि स्टारलिंक के साथ मिलकर भारत में एयरटेल ग्राहकों के लिए स्टारलिंक सेवाएं प्रदान करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह एयरटेल की अगली पीढ़ी की सैटेलाइट कनेक्टिविटी के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

37 फीसदी भारतीय धोखाधड़ी के लिए बैंक को मानते हैं जिम्मेदार, 66 प्रतिशत ग्राहक चाहते हैं ठगी होने पर पैसा लौटे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में हर तीन में से दो (66 फीसदी) ग्राहकों का मानना है कि बैंकों को धोखाधड़ी के शिकार लोगों का पैसा लौटाना चाहिए। वहीं, आधे से अधिक ग्राहक चाहते हैं कि बैंकों को धोखाधड़ी का पता लगाने और इस संबंध में चेतावनी जारी करने के लिए बेहतर सुरक्षा प्रणाली लागू करनी चाहिए। अमेरिका स्थित वैश्विक एनालिटिक सॉफ्टवेयर कंपनी एफआईसीओ की सर्वे रिपोर्ट में पाया गया है कि एक-तिहाई से अधिक (37 फीसदी) ग्राहक धोखाधड़ी का शिकार होने पर बैंकों को जिम्मेदार मानते हैं। यह सर्वे भारत सहित दुनिया के 14 देशों के 11,000 बैंक ग्राहकों से बातचीत पर आधारित है। इसमें ग्राहकों से भुगतान उपयोग, धोखाधड़ी और उनके बैंकों की घोटाला प्रबंधन क्षमताओं के बारे में पूछा गया था।

बैंक बदलने के पक्ष में ग्राहक

सर्वे में कहा गया है कि धोखाधड़ी के मामले में आधे से ज्यादा (56 फीसदी) भारतीय ग्राहक बैंक में शिकायत दर्ज कराएंगे। 30 फीसदी इस मामले को नियामकों तक पहुंचाने के पक्ष में हैं। अन्य तीन फीसदी ग्राहकों का कहना है कि धोखाधड़ी की स्थिति में वे बैंक ही बदल देंगे।

धोखेबाजों के खिलाफ लड़ाई में आगे आएं बैंक- एफआईसीओ के एशिया में प्रबंध निदेशक दत्तू कोम्पेला ने कहा, धोखाधड़ी के बढ़ रहे मामलों को देखते हुए भारतीय ग्राहक उम्मीद करते हैं कि उनके बैंक ठगों के खिलाफ लड़ाई में आगे आएं। अपने ग्राहकों की गाढ़ी कमाई की सुरक्षा के लिए बैंक अपने सुरक्षा तंत्र को मजबूत बनाएं।

विराट कोहली हैं कारण 14 वर्षीय लड़की की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते रविवार, 9 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल खेला गया था, जिसमें भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर इतिहास रचा था. वह मुकाबला दुबई में खेला गया, लेकिन उसका असर भारत के उत्तर प्रदेश में देखने को मिला है. यह मामला उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले का है, जहां विराट कोहली के आउट होने से एक लड़की को ऐसा सदमा लगा कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई. चश्मदीद गवाहों के अनुसार जब विराट फाइनल में मात्र एक रन बनाकर आउट हुए, तो 14 वर्षीय प्रियांशी बेहोश हो गई थी. विराट कोहली के आउट होने का गहरा सदमा एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रियांशी अपने परिवार के साथ भारत-न्यूजीलैंड फाइनल मैच देख रही थी.

प्रियांशी के पिता का नाम अजय पांडे है और वे सभी टीम इंडिया के समर्थन में बहुत उत्साह से भरे हुए थे. जब विराट कोहली फाइनल में 1 रन बनाकर आउट हुए तो प्रियांशी पहले बेहोश हो गई और फिर हार्ट अटैक आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई. डॉक्टरों ने पुष्टि कर बताया कि प्रियांशी की मौत का कारण हार्ट अटैक ही था. प्रियांशी के पिता अजय पांडे पहली पारी के समाप्त होने के बाद बाजार चले गए थे. जब दूसरी पारी शुरू हुई तो प्रियांशी और परिवार के अन्य सदस्य मैच का लुत्फ उठाने लगे. जैसे ही फोन के माध्यम से अजय पांडे को प्रियांशी के बेहोश होने की खबर पता चली, वो तेजी से घर आए और बेटी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया. 14 साल की प्रियांशी को अस्पताल पहुंचने के बाद मृत घोषित कर दिया गया. अजय पांडे ने अपनी बेटी का पोस्ट-मार्टम नहीं करवाया. घर वापसी के बाद प्रियांशी का दाह संस्कार किया गया.

मौत से क्रिकेट का कनेक्शन

प्रियांशी के पिता अजय पांडे का मानना है कि उनकी बेटी की मौत क्रिकेट मैच के कारण नहीं हुई है. उन्होंने साफ तौर पर कहा कि क्रिकेट और उनकी बेटी की अचानक मौत का कोई कनेक्शन नहीं है. वहीं उनके एक पड़ोसी अमित चंद्रा ने बताया कि जब प्रियांशी को हार्ट अटैक आया, तब भारतीय टीम किसी भी दृष्टि से खराब नहीं खेल रही थी और ना ही कोई विकेट गंवाया था. चंद्रा ने यह तक कहा कि प्रियांशी की तबीयत बिगड़ने के समय विराट कोहली बैटिंग करने आए ही नहीं थे.

यह करियर खत्म करने वाला हो सकता है

शेन बॉन्ड की जसप्रीत बुमराह को चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज और मुंबई इंडियंस (एमआई) के पूर्व गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने कहा कि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सर्जरी जिस जगह हुई थी, उसी जगह पर एक और चोट लगने से उनका करियर खत्म हो सकता है और उन्होंने कहा कि भविष्य में वह उन्हें एक बार में दो से ज़्यादा टेस्ट मैच खेलते हुए नहीं देखना चाहेंगे।

बुमराह पीठ के निचले हिस्से में चोट से जूझ रहे हैं, जिसकी वजह से वह रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के लिए मशहूर अभियान से बाहर हो गए। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली द्वारा राष्ट्रीय खजाना कहे जाने वाले इस गेंदबाज ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के दौरान भारत के लिए अकेले संघर्ष किया, जिसमें उन्होंने पांच मैचों में 32 विकेट लिए, इससे पहले इस साल जनवरी में सिडनी में अंतिम टेस्ट मैच में वह तनाव से संबंधित चोट से पीड़ित हो गए थे। उन्होंने तब से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है और भारत के विजयी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अभियान को भी मिस किया है।

बुमराह बेंगलुरु में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैब पूरा कर रहे हैं और 22 मार्च से शुरू होने वाले आगामी इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान मुंबई इंडियंस के लिए उनकी उपलब्धता पर कोई स्पष्टता नहीं है। बुमराह को पहली बार पीठ में चोट नहीं लगी है, क्योंकि मार्च 2023 में उनकी इसके लिए सर्जरी हुई थी। शेन बॉन्ड ने पहले रूद्ध के साथ गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया था और वर्तमान में राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह के कार्यभार को एक और चोट से बचने के लिए सावधानीपूर्वक प्रबंधन की आवश्यकता है। बुमराह के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, जब वह स्कैन के लिए सिडनी गए थे, तो कुछ संदेश आ रहे थे कि उन्हें मोच और इस तरह की अन्य चीजें हैं। मुझे चिंता थी कि यह मोच नहीं होगी, यह उस क्षेत्र (पीठ) के आसपास की हड्डी की चोट हो सकती है। मुझे लगा कि अगर ऐसा था तो वह चैंपियंस ट्रॉफी में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर सकते हैं।

बॉन्ड ने इस बात पर प्रकाश डाला कि टी20 से टेस्ट क्रिकेट में तेजी से बदलाव में खतरे का क्षेत्र है। पूर्व तेज गेंदबाज ने इसे एक चुनौती के रूप में उजागर किया क्योंकि भारत 25 मई आईपीएल समाप्त होने के बमुश्किल एक महीने बाद पांच टेस्ट मैचों के लिए इंग्लैंड दौरे की तैयारी कर रहा है। बॉन्ड ने कहा, देखिए, मुझे लगता है कि बूम ठीक हो जाएंगे, लेकिन यह सिर्फ (कार्यभार) प्रबंधन (मायने रखता है)। दौरों और आगे के कार्यक्रम को देखते हुए उन्हें आराम देने के अवसर कहां हैं, लेकिन वास्तव में खतरे की अवधि कहां है? और अक्सर ऐसा होता है कि आईपीएल से टेस्ट चैंपियनशिप में बदलाव एक जोखिम होगा। उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, आप जहां भी जाते हैं, खासकर टी20 से टेस्ट मैच में, यह चुनौतीपूर्ण होता है। अगर आप एक दिवसीय श्रृंखला खेल रहे हैं, तो यह आम तौर पर बहुत बुरा नहीं होता है। आप सप्ताह में तीन मैच खेलेंगे, आपको अभ्यास करना होगा, आप लगभग 40 ओवर (रेंज) में होंगे, यह वैसे भी टेस्ट मैच के सप्ताह के काफी करीब है। लेकिन टी20 में खासकर आईपीएल में जब आप सप्ताह में तीन मैच खेल रहे होते हैं, तो दो दिन की यात्रा होती है, आपको एक प्रशिक्षण सत्र मिल सकता है, अगर आप भाग्यशाली हैं तो आप 20 ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं। यह टेस्ट मैच के आधे या आधे से भी कम लोड के बराबर है, जो तब एक बड़ी छलांग है और आप लगातार दो दिन गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। जब आप इससे बाहर निकलते हैं तो यह एक बड़ी छलांग है।

स्वितोलिना, एंड्रीवा, स्वीयाटेक इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन की 23वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने बारिश का सामना करते हुए 5-7, 6-1, 6-2 से नंबर 4 वरीयता प्राप्त अमेरिकी जेसिका पेगुला को हराकर इंडियन वेल्स ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पूर्व इंडियन वेल्स सेमीफाइनलिस्ट ने अपनी शुरुआती असफलताओं को भुलाकर मैच को अपने पक्ष में मोड़ दिया और अंतिम 15 गेम में से 12 गेम जीतकर अपने 21वें डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जो 2021 के बाद से उनका पहला मैच था। कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में धुंध भरे दिन पर, स्वितोलिना और पेगुला को तीसरे सेट के पहले गेम के बाद बारिश के कारण लंबे समय तक खेल में देरी का सामना करना पड़ा।

यह स्वितोलिना ही थी जो बीच में अपनी आंखों में आग लेकर वापस आई। उसने पेगुला को पीछे धकेल दिया और जीत के साथ आगे निकल गई। पेगुला ने इस महीने की शुरुआत में ऑस्टिन खिताब जीतने के बाद इंडियन वेल्स में प्रवेश किया, लेकिन स्वितोलिना शीर्ष पर रही, जिसने अपने करियर की आठ भिड़ंत में पेगुला पर अपनी तीसरी जीत हासिल की। स्वितोलिना, जो 2019 के बाद पहली बार टेनिस पैराडाइज में क्वार्टर फाइनल में है, का सामना मीरा एंड्रीवा से होगा, जिसने तीन सप्ताह में दूसरी बार एलेना रिबाकिना को 6-1, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

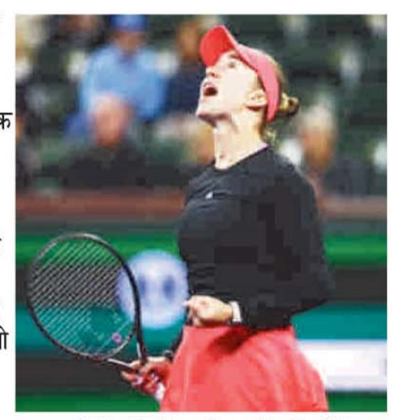

17 वर्षीय रूसी एंड्रीवा का रेगिस्तान में यह सफर दुबई चैंपियनशिप में अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतने के तुरंत बाद शुरू हुआ, जिसने उन्हें 2007 के बाद से शीर्ष 10 में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बना दिया। इससे पहले, इगा स्वीयाटेक ने 15वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिन मुचोवा को 6-1, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पोल ने तीन राउंड में केवल छह गेम गंवाए हैं, जो मोनिका सेलेस के इंडियन वेल्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के दौरान सबसे कम गेम गंवाने के रिकॉर्ड की बराबरी करता है, जिसमें कम से कम तीन मैच खेले गए हैं। इस प्रक्रिया में, स्वीयाटेक तीन इंडियन वेल्स ओपन खिताब जीतने वाली पहली महिला बनने की अपनी दावेदारी को और मजबूत कर रही हैं, और 1991 में मार्टिना नवरातिलोवा के बाद से यहां खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली पहली महिला बनेंगी।

1989 में इस आयोजन के उद्घाटन के बाद से, मोनिका सेलेस ने इंडियन वेल्स में महिला एकल खिताब के लिए सबसे कम गेम गंवाए हैं, 1992 में (पांच मैचों में) केवल 12 गेम गंवाए थे। अगर किसी खिलाड़ी के पास इस अविश्वसनीय उपलब्धि की बराबरी करने का मौका है, तो वह स्वीयाटेक ही होंगी।

मैं हरभजन सिंह के साथ काम नहीं करना चाहता: जतिन सप्रू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए जतिन सपरू कोई अनजाना नाम नहीं है। वह सालों से क्रिकेट ब्रॉडकास्टर्स से जुड़े हुए हैं और लगभग हर बड़े मैच के दौरान वह टीवी स्क्रीन पर नजर आते रहे हैं। उन्होंने सुनील गावस्कर से लेकर हरभजन सिंह जैसे खिलाड़ियो के साथ कमेंट्री की है। हालांकि मंगलवार को उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के साथ यह अपील की कि वह हरभजन सिंह के साथ काम नहीं करना चाहते। पहले जतिन सप्रू ने अपने इंस्टाग्राम के जरिए एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, सम्मान के साथ, संबंधित प्राधिकारी से मेरा अनुरोध है कि आगे से मुझे भज्जी सर के साथ पार्टनर ना करें। उन्होंने मुझे बोलने का मौका ही नहीं दिया। मुझे नहीं लगता कि यह ठीक है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मैं अपने पार्टनर के खिलाफ यह लिख रहा हूं लेकिन हरभजन सिंह ने मेरे पास कोई और विकल्प नहीं छोड़ा है।' हरभजन सिंह भी इस आरोप पर शांत नहीं रहा। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, जतिन का ये आरोप कि मैंने उसे कुछ बोलने नहीं दिया बिल्कुल झूठ है। भज्जी ने आगे लिखा, मैं हमारी फुटेज पब्लिक करने की अपील करता हूं, ताकि सच लोगों तक पहुंच सके। यह पूरा मामला क्या है इसे लेकर यूजर्स भी अलग-अलग अंदाजे लगा हैं। कई लोग इसे मार्केटिंग स्ट्रेटिजी कह रहे हैं। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि दोनों के बीच कोई समस्या चल रही है।

गौतम गंभीर ने तैयार किया रोडमैप

IPL 2025 के दौरान करेंगे यह बड़ा काम

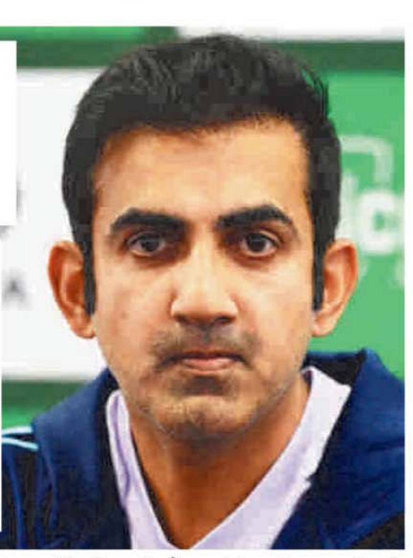

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम अभी दुबई में तिरंगा लहरा कर आई है. उसने न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता है. अब अगले करीब 2 महीने तक टीम इंडिया को कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेलना है, क्योंकि 22 मार्च-25 मई तक पूरा भारतवर्ष आईपीएल2025 के रोमांच का आनंद ले रहा होगा. इस बीच खबर सामने आई है कि टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड रवाना होने वाले हैं. बता दें कि जून-जुलाई के महीने में भारत को इंग्लैंड के साथ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है. 20 जून को भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले गौतम गंभीर इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड का दौरा करके आएंगे. यह गौर करने वाली बात है कि इंडिया ए टीम के पास कोई कोच नहीं है, ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि गौतम गंभीर केवल एक समीक्षक के रूप में इंडिया ए टीम के साथ जाएंगे या फिर वीवीएस लक्ष्मण इस टीम के कोच होने का पदभार संभालेंगे. बताते चलें कि लक्ष्मण अभी नेशनल क्रिकेट अकादमी में हेड ऑफ क्रिकेट के पद पर कार्यरत हैं. गंभीर यदि इंग्लैंड जाते हैं तो यह किसी विदेशी दौरे पर पहली बार होगा जब इंडिया ए के साथ सीनियर टीम का कोच मौजूदा रहेगा.

रोडमैप तैयार कर रहे गौतम गंभीर

सूत्रों ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापस आने के बाद गौतम गंभीर लगातार बीसीसीआई अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे हैं. गंभीर ने खुद इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड जाने की इच्छा जाहिर की है, जिससे उन्हें रिजर्व खिलाड़ियों का भी एक आइडिया मिल सके. इसके अलावा गंभीर ने अभी से अगले 2 साल का रोडमैप तैयार करना शुरू कर दिया है. बता दें कि अगले 2 साल के भीतर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप, 2026 टी20 वर्ल्ड कप और 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप भी खेला जाना है.

संन्यास लेने से पहले रोहित की नजर वनडे विश्व कप खिताब पर होगी: रिकी पोंटिंग

दुबई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी रिकी पोंटिंग का मानना है कि रोहित शर्मा अब भी दमदार खिलाड़ी हैं तथा वह 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले वनडे विश्व कप तक भारतीय टीम का नेतृत्व करना जारी रख सकते हैं। रोहित की कप्तानी में भारत ने वनडे विश्व कप को छोड़कर आईसीसी के बाकी टूर्नामेंट जीते हैं।

उनकी अगुवाई में भारतीय टीम 2023 में घरेलू धरती पर खेले गए वनडे विश्व कप को जीतने के करीब पहुंची थी लेकिन फाइनल में उसे आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा कि रोहित अपने भविष्य के लक्ष्यों को लेकर काफी हद तक स्पष्ट हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, 'जब आप अपने करियर के इस पड़ाव के करीब पहुंचते हैं तो हर कोई आपके संन्यास लेने का इंतजार कर रहा होता है। मैं नहीं जानता कि ऐसा क्यों होता है। वह भी तब जबकि आप अच्छा खेल रहे हो जैसा कि उन्होंने (चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में) अच्छी पारी खेली थी। पोंटिंग ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह उन सवालों को हमेशा के लिए खत्म करने की कोशिश कर रहे थे और कह रहे थे, नहीं, मैं अब भी काफी अच्छा खेल रहा हूं।

मुझे इस टीम में खेलना पसंद है। मुझे इस टीम का नेतृत्व करना पसंद है। पोंटिंग ने कहा, 'मेरे लिए इसका मतलब यह है कि उनके मन में 2027 में होने वाले अगले वनडे विश्व कप में खेलना लक्ष्य होना चाहिए। रोहित ने 2021 में 34 वर्ष की उम्र में भारतीय टीम की कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में भारत ने रविवार को यहां खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इससे पहले भारत ने पिछले साल रोहित की कप्तानी में ही वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में 252 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित की 83 गेंद पर खेली गई 76 रन की पारी की मदद से आसन जीत हासिल की।

आईपीएल 2025:

बुमराह- पंड्या के फैन्स को झटका, नहीं खेलेंगे आईपीएल के शुरुआती मैच...

ये पेस बैटरी भी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 की शुरुआत में अब चंद दिन बचे हैं. चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद अब दर्शकों पर आईपीएल का खुमार छाएगा. आईपीएल की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है, जिसका ओपनिंग मैच मौजूदा चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होगा.

यह उद्घाटन मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में होगा. लेकिन शुरुआती मुकाबलों को लेकर कुछ अपडेट हैं. जसप्रीत बुमराह, पंड्या के बाद अब ताजा नाम लखनऊ सुपर जायंट्स टीम के तेज गेंदबाज मयंक यादव का शामिल हुआ है. यह वह खिलाड़ी है, जो शुरुआती मुकाबले या शुरुआती हाफ में नहीं खेलेगा. वहीं, पंड्या क्यों बाहर रहेंगे, इसकी वजह आईपीएल 2024 से जुड़ी हुई है. मयंक यादव आईपीएल 2025 के पहले हाफ में नहीं खेल पाएंगे. क्रिकइंफो के अनुसार, मयंक यादव कमर की चोट से उबर रहे हैं. मयंक ने हाल ही में बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में गेंदबाजी शुरू की है. वह पिछले अक्टूबर में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत के लिए डेब्यू के बाद इंजर्ड हो गए थे. मयंक के कमबैक के लिए बीसीसीआई ने अभी तक कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है, लेकिन अगर वह अपने बॉलिंग वर्कलोड के साथ फिटनेस मापदंडों को पूरा करते हैं, तो वह आईपीएल के दूसरे हाफ में खेल सकते हैं.

टूर्नामेंट के पहले हाफ में मयंक की अनुपलब्धता लखनऊ के लिए झटका है, जिसने उन्हें मेगा नीलामी से पहले 11 करोड़ रुपये (लगभग 1.31 मिलियन डॉलर) में रिटेन किया था. जबकि 2024 सीजन से पहले उन्हें एक अनकैप्ड गेंदबाज के रूप में 20 लाख रुपये में खरीदा गया था. मयंक को इतनी ज्यादा कीमत उनकी गेंदबाजी के कारण मिली, उन्होंने आईपलएल 2024 में लगातार 150 किमी प्रति घंटे की स्पीड से गेंदें फेंकी थीं. इसी वजह से उनको आईपीएल में अपने पहले दो मैचों में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला था.

उनकी प्रतिभा को देखकर नेशनल सेलेक्टर्स ने मयंक को फास्ट बॉलिंग कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में शामिल किया था. मयंक का आईपीएल 2024 में सफर केवल 4 मैचों तक था, रिहैब के दौरान, मयंक को एक अलग चोट लग गई, जिससे उनकी वापसी में देरी हुई, लेकिन उन्होंने अंततः बांग्लादेश के खिलाफ टी20 मुकाबला खेला और डेब्यू किया.

आईपीएल 2025 से पहले कोलकाता पहुंचे नाइटराइडर्स

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले अपने अंतिम प्री-सीजन कैंप की शुरुआत करने के लिए सिटी ऑफ जॉय पहुंचे। 12 मार्च से प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में होने वाला यह कैंप सीजन ओपनर से पहले टीम की तैयारी का आखिरी चरण होगा।

प्री-सीजन कैंप में नए कप्तान और मजबूत कोचिंग स्टाफ के नेतृत्व में रणनीति को बेहतर बनाने और टीम के तालमेल को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा। हेड कोच चंद्रकांत पंडित के नेतृत्व में, सहायक कोच के रूप में ओटिस गिब्सन और टीम के मेंटर के रूप में डीजे ब्रावो के शामिल होने से कोलकाता नाइट राइडर्स के आईपीएल 2025 अभियान में नई ऊर्जा आएगी। गत चैंपियन 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेंगे।

केकेआर ने आईपीएल फाइनल में चार बार भाग लिया है, जिसमें से तीन बार (2012, 2014, 2024) चैंपियनशिप जीती है। वे 2021 सीजन में उपविजेता रहे, जिसने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे बेहतरीन वापसी की। नाइट राइडर्स द्वारा फ्रैंचाइज़ी संभालने के बाद से टीकेआर पुरुष टीम ने 10 वर्षों में चार बार सीपीएल चैंपियनशिप जीती है।

वह कैरिबियन की सबसे सफल टीम है और पूरे टूर्नामेंट में एक भी गेम हारे बिना 2020 में ट्रॉफी जीतने का बेहतरीन रिकॉर्ड उनके नाम है। नाइट राइडर्स की पहली महिला टीम टीकेआर 2022 में उद्घाटन डब्ल्यूसीपीएल की चैंपियन थी।

पत्रकार स्वास्थ्य योजना पर बैठक जल्द, प्रतिनिधि टीम ने की मंत्री दामोदर ने भेट

हैदराबाद (एजन्सी),

राज्य के चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री सी. दामोदर राजा नरसिम्हा ने आश्वासन दिया है कि राज्य में पत्रकारों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए स्वास्थ्य योजना को सख्ती से लागू करने के लिए जल्द ही एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। बुधवार को तेलंगाना राज्य श्रमजीवी पत्रकार संघ (टीयूडब्ल्यूजे) के प्रदेश अध्यक्ष के. विराहत अली के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पत्रकार स्वास्थ्य योजना के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए विधानसभा कक्ष में मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा से मुलाकात की। इसके अतिरिक्त एक याचिका भी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर बोलते हुए अली ने मंत्री का ध्यान राज्य में पिछले पांच वर्षों से पत्रकार स्वास्थ्य योजना के क्रियान्वयन न होने के कारण पत्रकारों को हो रही कठिनाइयों की ओर दिलाया।

उन्होंने चिंता व्यक्त की कि पत्रकारों के लिए चिकित्सा व्यय और भी बड़ा बोझ बन गया है, जो पहले से ही वित्तीय कठिनाइयों से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति है कि पत्रकारों को इलाज के लिए पैसे उधार लेने पड़ रहे हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने कहा कि पत्रकारों को चिंता करने की जरूरत नहीं है और आश्वासन दिया कि इस मुद्दे को जल्द ही सुलझाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। मंत्री से मुलाकात करने वाले टीयूडब्ल्यूजे प्रतिनिधिमंडल में संघ के राज्य उप महासचिव कलकुरी रामुलु, राज्य सचिव वरकला यादगिरी, आईजेयू राष्ट्रीय परिषद के सदस्य रजनीकांत और कई वरिष्ठ पत्रकार शामिल थे।

जिला पुलिस अधीक्षक ने किया जैनथ थाने का औचक निरीक्षण, प्रसिद्ध जैनथ लक्ष्मीनारायण मंदिर मे की पूजा

आदिलाबाद (एजन्सी),

नवनियुक्त एसपी अखिल महाजन अपने अनूठे अंदाज में पुलिस प्रशासन द्वारा निभाई जा रही ड्यूटी का निरीक्षण करने के लिए जिले का औचक दौरा किया। उन्हा◌ं◌ंने जैनथ पुलिस स्टेशन और सर्किल कार्यालय का दौरा किया । स्टाफ द्वारा निभाए जाने वाले कर्तव्यों तथा पुलिस थाने के आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया गया।

कर्मचारियों से विभिन्न मामलों में बरामद वाहनों के बारे में पूछताछ की गई। उन्होंने थाने के क्षेत्राधिकार में आने वाले गांवों, महाराष्ट्र की सीमा से लगे पुलिस थानों का विवरण तथा दर्ज मामलों का विवरण पूछा। इसी प्रकार स्टेशन परिसर में पौधा भी लगाया । पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों को हमेशा उपलब्ध रहने और उन्हें सौंपे गए कर्तव्यों को ठीक से निभाने के लिए कहा गया।

उन्होंने स्वागत कक्ष, न्यायालय ड्यूटी अधिकारी के अभिलेख, स्टेशन अभिलेख, लॉकअप, लेखक और तकनीशियन के कार्यालयों का निरीक्षण किया तथा कर्मचारियों को कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि थाने में आने वाली हर शिकायत को ऑनलाइन व ऑफलाइन दर्ज किया जाना चाहिए ताकि पीड़ितों को त्वरित समाधान मिल सके। चूंकि सीमा महाराष्ट्र से लगती है, इसलिए उन्हें सूचित किया गया कि वे किसी भी सामाजिक गतिविधि में भाग लिए बिना अपने कर्तव्यों का निर्वहन ठीक से और पूरी तरह से करते रहें। प्रसिद्ध जैनथ लक्ष्मीनारायण मंदिर का दौरा किया और उस स्थान की पौराणिक कथाओं के बारे में जाना। भगवान के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। मंदिर प्राधिकारियों ने जिला पुलिस अधीक्षक को सम्मानित किया और उन्हें भगवान का चित्र भेंट किया। जिला पुलिस अधीक्षक ने जैनथ थाने के पिपरवाड़ा टोल प्लाजा, पेनगंगा सीमा और बोरज चेक पोस्ट का निरीक्षण किया।

इस कार्यक्रम में डीएसपी एल जीवन रेड्डी, सीआई डी साईनाथ, एसआई वी पुरुषोत्तम, पीएसआई मधु कृष्णा और अन्य स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

नव भारत संगम द्वारा जियागुडा डिवीजन में इमाममपुरा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

हैदराबाद (एजन्सी),

नव भारत संगम द्वारा जियागुडा डिवीजन में इमाममपुरा में नव भारत संगम सामुदायिक हॉल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय प्रजातंत्र महिला की प्रदेश उपाध्यक्ष टी ज्योति को नव भारत संगम एसोसिएशन की अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण एवं एसोसिएशन की महिलाओं द्वारा शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया.

इस मौके पर मुख्य अतिथि ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वूमेन की प्रदेश उपाध्यक्ष टी ज्योति ने कहा कि तेलंगाना सरकार 6 गारंटी लागू करने में पूरी तरह विफल हुई है.

ऐसा महसूस हो रहा है कि महिलाओं के लिए मुफ्त आवास से लेकर कुछ बसें में महिलाएं सीटों के लिए एक-दूसरे से लड़ रही हैं।नेशनल प्लेटफार्म फॉर राइट्स ऑफ द डिसेबल्ड के सचिव अदावैया, टी ज्योति अखिल भारतीय जनवादी महिला एसोसिएशन की प्रदेश उपाध्यक्ष,आर नगर सचिव पी. शशिकला, पुनीता, भारती, सुनीता, शोभा, संध्या एवं अन्य महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

वसुधैव कुटुंबकम द्वारा होली कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद (एजन्सी),

वसुधैव कुटुंबकम, हिल रिज स्प्रिंगस, गच्ची बावली में एक होली हास्य व्यंग रोचक कार्यक्रम होली हंगामा गीता अग्रवाल, के.पी अग्रवाल के निवास पर धूमधाम से संपन्न हुआ। बुरा ना मानो होली है, से संबंधित हास्य व्यंग्य से रंगे हुए टाइटल्स गीता अग्रवाल द्वारा तैयार किए गए थे जिसमें पति द्वारा पत्नी को शब्दों का तोहफा, पत्नी द्वारा पति को शब्दों का तोहफा देकर होली कार्यक्रम में हंसी के फव्वारे चले। वस्तुओं के आधार पर फिल्मों के नाम ढूंढने के गेम में सुरेश अग्रवाल, राज माथुर विजेता रहे। होली का विशेष तंबोला जिसमें होली का हुड़दंग, रंग बरसे, गुलाल, पिचकारी, गुब्बारे, गुजिया, रंगीन होली आदि प्राइज रखकर तंबोला खेला गया, जिसमें मुकद्दर का सिकंदर दीपक गर्ग ही रहे जिन्होंने अधिकतम प्राइज जीते।

होली के कांजी बड़े विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। सभी महिलाओं द्वारा विशिष्ट होली के व्यंजन तैयार किए गए थे जिसका सभी ने आनंद लिया। कार्यक्रम के संयोजक गीता अग्रवाल-केपी अग्रवाल रहे। कार्यक्रम में सुरेश अग्रवाल, आशा अग्रवाल-राजेश अग्रवाल, जयश्री लोहिया, राज माथुर ,भारती अग्रवाल, मंजू शर्मा ,वीना मदान, मृदुल भनोट ,श्री देवी, रमेश विश्वामित्र, आर एल मदान, डॉ प्रमोद गर्ग, दीपक गर्ग, प्रभा मेहता-आर के मेहता, नीता गुलाटी , वेद प्रकाश गुलाटी आदि शामिल थे।

राजपुरोहित को किया सम्मानित

मैसूरु (एजन्सी),

बन्नूर रोटरी फाउंडेशन के अध्यक्ष वेंकटेश और सचिव सी. राजू के नेतृत्व एक कार्यक्रम रखा गया। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमपीएचएफ विक्रंम दत्त ने रोटरी संस्था में गत 25 वर्षो से निरंतर सेवाकार्य में अग्रणी रहने पर समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित तथा संतोष कंवर का सम्मान किया गया।

पीडीजी डॉ. नागार्जुन, डीजीएन सतीश बोलर, डीजी यशस्विनी सोमशेखर, जिला सचिव रीतिस बालिगा, माणकचंद चौधरी, जोनल प्रतिनिधि केजी महेश, रोटरी संगठन के अध्यक्ष वेंकटेश, सचिव सी. राजू, स्कूल समिति के मानद अध्यक्ष सी. पार्थसारथी, अध्यक्ष वाई.एच. हनुमंते गौड़ा, योगेन्द्र, वन्या कंवर, विराटसिंह, डॉ.राजीव, बीएन सुरेश, रामचंद्र, नवीना, जीपी प्रसन्ना, राजेंद्र, बसवराजू, शिवकुमार, सतीश बालिगा, जयारामे गौड़ा, वेंकटेश प्रसाद, प्रभाकर, वासुदेव, सिद्देगौड़ा, महेंद्रकुमार, राजेश आदि उपस्थित थे।

आदिलाबाद(एजन्सी), जिले में स्थानांतरित हुए नए एसपी अखिल महाजन का सनातन हिंदू उत्सव समिति के सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर और गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। जिला एसपी को समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार खत्री ने मिठाई खिलाई। इस अवसर पर समिति के सदस्यों को हर त्योहार शांतिपूर्वक मनाने की सलाह दी गई। अवसर पर नंदू समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार, मानद अध्यक्ष बंदरी वामन, महासचिव घोड़म महादेव, कोषाध्यक्ष पदकांति सूर्यकांत, कंडुला रविंदर, टिपपर्ती सत्यम, रावुला वेणु, नरसोजी, किशन राव, गौरवर सतीश, उरेदे सुभाष और अन्य उपस्थित थे।

हैदराबाद (एजन्सी),सीएसएम टीवी 9 चैनल की 15वीं वर्षगांठ समारोह और 15वें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के अवसर पर प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती उमा बिरादर को प्रतिष्ठित भारत समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मुख्य अतिथि एमएलसी बोग्गरापु दयानंद और बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव द्वारा समाज में उनके उत्कृष्ट योगदान के सम्मान में प्रदान किया गया। उनकी उपलब्धियों को और अधिक सम्मानित करने के लिए, सीएसएम टीवी 9 चैनल के मालिक और प्रधान संपादक सत्यनारायण जाधव ने अपनी पत्नी श्रीमती प्रियंका जाधव सीएसएम टीवी 9 चैनल की एमडी के साथ मिलकर श्रीमती उमा बिरादर को शॉल और प्रशंसा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। श्री प्रभु बिरादर, सुरेंदर सुराना संगठन सचिव बजरंग सेना और अन्य लोग मंच पर उपस्थित थे।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट एवं भाजपा का संयुक्त महिला दिवस संपन्न

हैदराबाद (एजन्सी),

माँ दुर्गा की कृपा संस्था एवं भारतीय जनता पार्टी, चारमीनार संभाग से संयुक्त नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित किया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति में ट्रस्ट के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम घाँसी बाज़ार स्थित वैदिक वाचनालय में प्रातः 11-30 बजे प्रारम्भ होकर मध्याह्न 2 बजे तक चला।

सर्वप्रथम सभी उपस्थित अतिथियों को मंच पर आमंत्रित किया गया तत्पश्चात माँ दुर्गा के चित्र की पूजा करके उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। ट्रस्ट की सदस्यों द्वारा वंदे मातरम प्रस्तुत किया गया संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर तायल द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान शाल एवं पुष्प गुच्छ द्वारा ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा किया गया कार्यक्रम की संयोजिका एवं संस्थापक ट्रस्टी एडवोकेट हेमा मालिनी तायल द्वारा ट्रस्ट की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई जिसमे उन्होंने बताया कि ट्रस्ट द्वारा हर महीने ई.एन.टी. हॉस्पिटल कोठी में करीब 400 लोगों में अन्नदानम की सेवा की जाती है महीने में एक दिन गौ सेवा सत्यम शिवम् सुंदरम गौशाला गगन पहाड़ पर की जाती है समय समय पर नीलोफर हॉस्पिटल एवं ई.एन.टी. हॉस्पिटल में उनकी आवश्यकतानुसार समान उपलब्ध करवाया जाता है ट्रस्ट द्वारा दो रक्त दान शिविर लगाए गए जिसमे 250 यूनिट ब्लड जमा कर निलोफर हॉस्पिटल को दिया गया ट्रस्ट द्वारा कई अनाथाश्रम एवं वृद्धाश्रम में निरंतर अन्नदान सेवा की जाती है। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र ने अपने संबोधन में प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की भावी योजनाओं की जानकारी दी। भाजपा तेलंगाना महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉ. शिल्पा रेड्डी ने अपने संबोधन में ट्रस्ट की महिलाओं को भाजपा से जुड़कर अपने एरिया में कार्य करने का आह्वान किया। भाजपा एस.सी. मोर्चा के उपाध्यक्ष चंद्र शेखर ने किसी भी विकट परिस्थिति में सहायता हेतु संपर्क करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री सी. कृष्ण यादव ने ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए बताया कि सरकार द्वारा घोषित योजनाओं का लाभ जन साधारण तक पहुँचाने हेतु ट्रस्ट से आह्वान किया उन्होंने उपस्थित लोगों से भारतीय जनता पार्टी की सदस्यलता प्राप्त कर पार्टी को मजबूत करने हेतु आग्रह किया तथा ट्रस्ट को भाजपा की ओर से हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

मंच पर उपस्थित भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष डॉ. मालती लता अप्पा, भाजपा जनता महिला मोर्चा गोलकोंडा जिला की मंत्री स्वप्ना गेगाना , भाजपा चारमीनार संभाग के संयोजक शेट्टी प्रवीण कुमार, स्टेट कौंसिल सदस्य दिनेश, भाजपा किसान मोर्चा के जनरल सेक्रेटरी श्रीधर यादव का मंच पर पुष्प गुच्छ एवं शॉल द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता पी. वीरामणि, तारा सोनी, भगवती, अग्रणी महिला समिति की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, जिला प्रभारी योगा प्रशिक्षक प्रेमलता मोदी, अग्रवाल समाज घांसी बाज़ार झूला शाखा की महिला समिति की अध्यक्ष शर्मिला के अतिरिक्त माँ दुर्गा कृपा संस्था ट्रस्ट के वरिष्ठ महिला सदस्य कुसुम अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, माया अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, सुनीता चिंडालिया, रेखा तुलस्यान, मंजू अग्रवाल, कांता अग्रवाल, उमा तायल, का सम्मान अतिथियों द्वारा पुष्प गुच्छ एवं शॉल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के मुख्य अतिथि पूर्व सी. कृष्णा यादव द्वारा ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर अग्रवाल, एडवोकेट विनय किशोर तायल एवं कार्यक्रम के संचालक मुकुंद लाल अग्रवाल का पुष्प गुच्छ एवं शॉल द्वारा किया गया।

धन्यवाद प्रस्ताव नमिता अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत किया गया। राष्ट्र गान के पश्चात एवं भोजन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में ट्रस्ट के सदस्य गण राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, आनंद गोयल, अशोक तायल, सुनील अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, संतोष गोयल, मधु गोयल, मीरा अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, जानकी अग्रवाल, सपना तुलस्यान, सुमिरन अग्रवाल, आदि उपस्थित थे।

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net